A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 5 सितम्बर , 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 310, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

विधानसभा चुनावों को लेकर बीजेपी में इतना सन्नाटा क्यों है?

अरविंद मोहन

महत्वपूर्ण विधान सभाओं की कौन कहे, हैदराबाद समेत कई नगर निगमों का चुनाव, त्रिपुरा जैसे छोटे राज्य का चुनाव और एक एक उपचुनाव को महाभारत बनाकर लड़ने वाली नरेंद्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी बहुप्रतीक्षित जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव और दिल्ली से लगे हरियाणा विधानसभा का चुनाव क्यों इस तरह 'बेमन' से लड़ रही है, यह गंभीर राजनैतिक चर्चा का विषय होना चाहिए। ऐसा सिर्फ़ दो राज्यों के चलते या एक जगह भाजपा को अपनी सरकार के लिए जनादेश लेने का प्रयास करने भर के लिए ही नहीं है।

जम्मू-कश्मीर का चुनाव देश, दुनिया, हमारी दीर्घकालिक राजनीति और संघ-भाजपा के अब तक चली कश्मीर नीति की परीक्षा के हिसाब से काफी महत्व का है। इस पर दुनिया की नज़र टिकी हुई है क्योंकि धारा 370 की समाप्ति के बाद यह पहला चुनाव है। लोकसभा चुनाव ने भी लोगों का मन बताने का काम किया लेकिन उसमें हुए उत्साहजनक मतदान ने कई चीजों को छुपा लिया। लेकिन दस साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव स्वशासन के बारे में लोगों की राय लेकर आएंगे। और इतना बड़ा कदम उठाने वाली मोदी सरकार लोगों की नज़र में पास हुई या फेल, यह संदेश भी आएगा।

मोदी और शाह की भाजपा ने लोकसभा चुनाव को भी इस इलाक़े में जिस तरह लड़ा था, वह कोई बहुत उत्साह नहीं जगाता था। जम्मू-कश्मीर से ही निकालकर अलग केंद्र शासित प्रदेश बने लद्दाख में भी भाजपा का प्रदर्शन चिंताजनक था। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में ही सहयोगी क्षेत्रीय दल और मज़बूत निर्दलीय तलाशने शुरू कर दिए थे। इस बीच कांग्रेस से गुलाम नबी आज़ाद जैसे दिग्गज को तोड़ना, उनकी नई पार्टी बनवाना, जम्मू और कश्मीर इलाक़े में विधानसभा सीटों के पुनर्गठन का काम पूरा कराना, बनगूजरों समेत नए समूहों को आरक्षण देना, सेना के बल पर शांति बनाए रखना और कथित विकास योजनाओं पर गंभीरता से काम करना (हालांकि भाजपा ने धारा 370 हटाते समय जिस निवेश की बाढ़ और घाटी को स्वर्ग बनाने की बात कही थी, वह कहीं नहीं दिखी) जैसी तैयारियां भी चलती रहीं। लेकिन जैसे ही चुनाव घोषित हुए जम्मू और कश्मीर में भाजपा की कमजोरियां छुप न पाईं। अब चार सौ पार के शोर और फिर भाजपा की सीटों में भारी कमी आने जैसे हंगामों ने जम्मू और कश्मीर में उसके प्रदर्शन की बाहर ज़्यादा चर्चा नहीं होने दी लेकिन भाजपा के लोगों को अपनी जमीन का एहसास हो गया था।

पर एक-एक सीट और एक एक उम्मीदवार के लिए जान लगाने वाले अमित शाह और मोदी की टोली जिस तरह से इस बार का विधानसभा चुनाव लड़ रही है वह काफी लोगों को हैरान करता है। एक तो जम्मू-कश्मीर के साथ हरियाणा का चुनाव भर कराया गया जबकि पिछली बार महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव साथ हुए थे।

महाराष्ट्र में लोकसभा का खराब प्रदर्शन और सत्ताधारी गठबंधन की कमजोरियां ही चुनाव को आगे करने का कारण होंगी। पर वहां भी चुनाव ज्यादा दिन टाले नहीं जा सकते। और अगर जम्मू-कश्मीर में, खासकर घाटी के इलाके में भाजपा खुद को कमजोर पा रही है तो वह अकेली नहीं है। इस इलाके से उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती भी चुनाव हार गई थीं लेकिन वे दोनों और उनकी पार्टियां ताल ठोंक रही हैं। बूढ़े फारूख अब्दुल्ला भी खुद को जवान कह रहे हैं लेकिन मैदान छोड़ती सिर्फ भाजपा नज़र आती है। उसे तो अपना इंचार्ज चुनने और टिकट बांटने में (जम्मू क्षेत्र में भी) भारी संकट उठाना पड़ा। शुरू से उसके लोग (और मीडिया में उनका समर्थक हिस्सा) क्षेत्रीय दलों और निर्दलीयों के समर्थन से सरकार बनाने का दावा करने लगे थे जो असल में हार कबूल करने की ध्वनि ही देता है।

हरियाणा में पार्टी सत्ता में है और नायब सैनी सरकार ने कई वोट बटोरू नई योजनाएं शुरू की हैं। भाजपा के लोग विनेश फोगाट प्रकरण पर भी खुसर-फुसर अभियान चलाते रहे और गैर-जाट जातियों के ध्रुवीकरण की राजनीति भी चलाते रहे हैं। पर लगता नहीं कि किसानों, पहलवानों और अग्निवीर योजना वाले सवालों की नाराजगी कम हुई है। उल्टा यह हुआ है कि लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस में उत्साह और ऊर्जा बढ़ती गई है और उसकी अंदरूनी फूट कम होती गई है। कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला को विधानसभा चुनाव लड़ने की इजाजत न देना पार्टी का अपने आप में और भूपिंदर हुडा में भरोसा दिखाता है।

काफी समय बाद हरियाणा में सीधी लड़ाई की स्थिति दिख रही है और इसमें भाजपा की उत्साहहीन फौज तिबारा मैदान जीतेगी, इसमें बहुत लोगों को शक है। और ऐसा शक तब और गहरा जाता है जब मोदी जी चुनाव से विमुख दिखते हैं और अमित शाह प्रकट ढंग से कुछ करते नहीं लगते। कहने को मोदी जी का चेहरा है लेकिन वह दिखता नहीं है- वे अभी भी देश से ज़्यादा विदेश में नज़र आ रहे हैं। शायद उनकी अंतरराष्ट्रीय छवि से पार्टी को ज़्यादा लाभ दिखता हो।

इस तरह की सोच या रणनीतिक बदलाव में हर्ज नहीं है। लेकिन जिस तरह से पार्टी के प्रभारियों/उप-प्रभारियों और राम माधव की तरह आखिरी वक़्त में ले गए संघ के पदाधिकारियों की भूमिका दिखती है उसमें भाजपा के अंदर ही नहीं, संघ और बीजेपी में भी समन्वय का अभाव दिखता है। पर सबसे ज़्यादा अभाव जीवंतता, उत्साह और लोग तथा संसाधनों के मोर्चे पर अचानक दिख रही उदासीनता से पार्टी के चुनावी अभियान को लेकर शक होता है। बल्कि इधर सबसे ज्यादा सक्रियता तो दो-दो केन्द्रीय प्रभारियों की मौजूदगी के बावजूद झारखंड में असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा दिखा रहे हैं। और राजनैतिक पंडित मानते हैं कि जिन दो राज्यों में अभी चुनाव हो रहे हैं या जिन दो में अगले कुछ समय में चुनाव होंगे उनमें सबसे ज्यादा संभावना झारखंड में ही है।

अगर दिल्ली के चुनाव भी जोड़े जाएं तो यहां भी भाजपाई खेमे की ऊर्जाहीनता और नेतृत्व की उदासीनता दिखती है। पर झारखंड की दिक्कत यह है कि जब तक भाजपा चंपाई सोरेन, मधू कोड़ा जैसों को साथ लेकर आदिवासी मतों (जो लोक सभा चुनाव में उससे दूर हो गए थे) को अपनी तरफ़ लाने की कोशिश कर रही है तब तक वह ओबीसी वोट समूह कांग्रेस की तरफ़ मुड़ता दिखता है जिसने झारखंड में बीजेपी को लोकसभा चुनाव में बढ़त दी थी (हालांकि पार्टी तब भी 2019 के स्तर से पीछे रह गई थी)। झारखंड में आदिवासियों के ग़ुस्से के साथ ही राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति आकर्षण भी दिख रहा है। ये सारे संकेत भाजपा के लिए अच्छे नहीं हैं।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

नए और युवा चेहरों पर अब दांव लगा सकती है बीजेपी

● विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी ने बनाई खास रणनीति

● पीएम मोदी ने की थी अपील, चुनावी राज्यों में होगा अमल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने वाले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और झारखंड में इस साल के आखिरी में विधानसभा चुनाव होगा। बीजेपी इन सभी राज्यों के लिए कमर कस चुकी है और खास रणनीति बनाई है। विधानसभा चुनाव में बीजेपी युवा और गैर-राजनीतिक परिवारों के नए चेहरों को टिकट दे सकती है। पीएम मोदी ने पिछले दिनों ऐसी अपील की थी। स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने जातिवाद और वंशवाद की राजनीति को समाप्त करने के लिए राजनीति में नए खून को लाने की आवश्यकता पर जोर दिया था। हालांकि 2014 से ही बीजेपी ने 30-33 फीसदी मौजूदा उम्मीदवारों को हटाकर नए चेहरों को टिकट देने की प्रथा का पालन किया है, लेकिन महाराष्ट्र और झारखंड वाले राज्यों के नेताओं ने कहा कि अब

प्रधानमंत्री के निर्देश का पालन करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। बीजेपी के एक राष्ट्रीय पदाधिकारी ने कहा,महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड जैसे राज्यों में पार्टी में नए लोगों को शामिल करने के प्रधानमंत्री के निर्देश को लागू किया जाएगा। पदाधिकारी ने कहा कि संभावना है कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में पुराने और अनुभवी चेहरे युवा चेहरों से अधिक संख्या में होंगे, जहां 18 सितंबर से चुनाव होने हैं। जम्मू-कश्मीर में जहां एक दशक के बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, पार्टी ने पूर्व उप-मुख्यमंत्री निर्मल सिंह और कविंदर गुप्ता जैसे पुराने नेताओं को टिकट नहीं दिया। इसके अलावा, हरियाणा में पांच अक्टूबर को चुनाव होने वाले हैं।

सोयाबीन के दाम 6 हजार रुपए करने के लिए आंदोलन

● कृषि मंत्री बोले- मांग हम तक नहीं आई, कांग्रेसियों ने शिवराज को याद दिलाया वादा

भोपाल (नप्र)। सोया स्टेट कहे जाने वाले मध्यप्रदेश में सोयाबीन की बंपर पैदावार के बावजूद किसानों को फसल का उचित दाम नहीं मिल पा रहा। 15 से ज्यादा जिलों में किसान सोयाबीन का उचित मूल्य 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल कराने को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। रैलियां निकालकर स्थानीय अधिकारियों को ज्ञापन दिया जा रहा है। पूर्व सीएम दिग्विजय ने भी किसानों से भाजपा की सदस्यता नहीं लेने के लिए कहा है।

इसे लेकर कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना से मीडिया ने पूछा, तो उन्होंने कहा कि किसान की मांग उन तक पहुंची ही नहीं है। अगर मांग आएगी, तो किसान का सम्मान किया जाएगा।

शिवराज को कांग्रेसियों ने रोक कर याद दिलाया वादा- इधर, दो दिन पहले विदिशा लोकसभा क्षेत्र के दौरे पर गंजबसौदा पहुंचे केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को रोककर कांग्रेसियों ने उन्हें पुराने वादे याद दिलाते हुए गेहूं का दाम 2700 रुपए प्रति क्विंटल करने और सोयाबीन का दाम 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल कराने की मांग की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को

कांग्रेसियों ने ज्ञापन देकर सोयाबीन और गेहूं के समर्थन मूल्य बढ़ाने की मांग की।

दिग्विजय बोले- किसान बीजेपी की सदस्यता का विरोध करें

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर लिखा- किसान भाइयों भारतीय जनता पार्टी सदस्य अभियान चला रही है। इसका मुंह तोड़ जवाब देना है, तो इस बार सदस्यता ना लें। अगर आप किसान हो, तो इसका विरोध करो। सोयाबीन का भाव दो और सदस्यता लो।

कमलनाथ बोले- सोया प्रदेश का दर्जा दिलाने वालों की मांग पूरी हो- पूर्व सीएम कमलनाथ ने एक्स पर लिखा- एक तरफ तो 5.47 मिलियन टन उत्पादन के साथ देश में पहला स्थान प्राप्त कर मध्य प्रदेश को 'सोया प्रदेश' का दर्जा मिला है। वहीं, दूसरी तरफ फसल उगाने वाले किसान उपज का सही मूल्य न मिलने से परेशान हैं। पिछले कई साल से सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि नहीं हुई है। बाजार भाव चार हजार रुपए प्रति क्विंटल पर अटका है, जबकि किसानों की लागत कई गुना बढ़ गई है। मैं मुख्यमंत्री से मांग करता हूं कि जिन किसानों ने सोया प्रदेश का तमगा दिलाया, उन किसानों को सोयाबीन का उचित मूल्य प्रदान करना सरकार सुनिश्चित करे।

किसान नेता राकेश टिकैत केन्द्रीय कृषि मंत्री को लिख चुके हैं पत्र- किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने पिछले महीने 28 अगस्त को केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर सोयाबीन के दाम 6 हजार रुपए करने की मांग की थी।

सुप्रभात

अब तो मज़हब कोई ऐसा भी चलाया जाए
जिसमें इंसान को इंसान बनाया जाए
जिसकी ख़ुशबू से महक जाए पड़ोसी का भी घर
फूल इस क़िस्म का हर सिम्त खिलाया जाए
आग बहती है यहाँ गंगा में झेलम में भी
कोई बतलाए कहाँ जाके नहाया जाए
प्यार का खून हुआ क्यों ये समझने के लिए
हर अँधेरे को उजाले में बुलाया जाए
मेरे दुख-दर्द का तुझ पर हो असर कुछ ऐसा
मैं रहूँ भूखा तो तुझसे भी न खाया जाए
जिस्म दो होके भी दिल एक हों अपने ऐसे
मेरा आँसु तेरी पलकों से उठाया जाए
गीत उन्मन है, ग़ज़ल चुप है, रूबाई है दुखी
ऐसे माहौल में 'नीरज' को बुलाया जाए।

- गोपालदास नीरज

बेटे की हत्या कर खुद को गोली मारी, मौत

कटनी (नप्र)। कटनी में एक युवक ने अपने 6 साल के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद पत्नी पर फायर किया, लेकिन उसे गोली नहीं लगी। फिर खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के जयप्रकाश वार्ड में बुधवार सुबह का है। वारदात की सूचना पर एएसपी संतोष डेहरिया, कोतवाली टीआई आशीष कुमार शर्मा सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। एएसपी ने बताया कि नई बस्ती क्षेत्र निवासी मयंक पिता किशोरी लाल अग्रहरी (35) अपनी मां कुसुमरानी अग्रहरी, पत्नी मानवी अग्रहरी (30) और बेटे शुभ अग्रहरी (6) के साथ रहता था। उसने शुभ की हत्या कर सुसाइड किया है।

सीएम के पिता का शिप्रा तट पर हुआ अंतिम संस्कार

बड़े बेटे ने दी मुखाग्नि, राज्यपाल,केंद्रीय मंत्री शिवराज-सिंधिया समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी

उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पिता पूनमचंद यादव का दाह संस्कार बुधवार को उज्जैन में शिप्रा तट पर हुआ। उन्होंने मंगलवार को अंतिम सांस ली थी। वे करीब 100 साल के थे। एक हफ्ते से बीमार चल रहे थे और अस्पताल में भर्ती थे। पिता के निधन की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार रात को भोपाल से उज्जैन पहुंच गए थे।

मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुई अंतिम यात्रा गीता कॉलोनी से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए शिप्रा तट पर पहुंची। यहां भूखी माता मंदिर के पास बड़े बेटे नंदू यादव ने पिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान सीएम मोहन यादव समेत पूरा परिवार मौजूद रहा। अंत्येष्टि में 1 राज्यपाल, 2 केंद्रीय मंत्री, 1 सांसद, विधानसभा अध्यक्ष, दो डिप्टी सीएम, 15 राज्य और केबिनेट मंत्री, 4 विधायक शामिल रहे। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, केंद्रीयमंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र तोमर, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला, मंत्री चैतन्य काश्यप, प्रद्युम्न सिंह तोमर उज्जैन पहुंचे।

इनके अलावा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, मंत्री राधा सिंह, मंत्री करण वर्मा, मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, मंत्री, नारायण सिंह कुशवाह, मंत्री लखन पटेल मंत्री, मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव वीरा राणा, डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना, प्रमुख सचिव राजेश राजौरा ने भी सीएम के पिता के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पिताजी के अवसान पर राजनेताओं ने व्यक्त की शोक संवेदनाएं,राज्यपाल,केंद्रीय मंत्री, प्रदेश के मंत्रिगण यात्रा में हुए शामिल- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पिताजी सेठ श्री पूनमचंद यादव के अवसान से राजनैतिक, प्रशासनिक और आमजन में शोक व्याप्त है। कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र श्री एकनाथ शिंदे, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, केन्द्रीय

कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री संचार तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, विभिन्न राजनैतिक दलों के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने सोशल मीडिया पर तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट कर शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। सोशल मीडिया पर शोक संवेदनाओं का क्रम जारी है।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में बाबा महाकाल से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की है। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने संदेश में गहरी संदेवनाएं व्यक्त करते हुए प्रभु से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर जारी संदेश में लिखा है कि सिर से पिता का साया उठ जाना जीवन की अपूरणीय क्षति है। दुःख की इस विकट घड़ी में मेरी संवेदना शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। पूज्य पिताजी भले ही भौतिक रूप से साथ नहीं हैं, किंतु उनके आशीर्वाद की छांव सदैव रहेगी। बाबा महाकाल दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह तथा पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पिताजी सेठ पूनमचंद यादव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उप मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ श्री अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ श्री रमन सिंह, लोकसभा सदस्य श्री जगदम्बिका पाल ने भी सोशल मीडिया शोक संवेदना व्यक्त की।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे
इंदौर ■ गुरुवार, 5 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

कंगना की इमरजेंसी को नहीं मिली तुरंत राहत

● अब 18 सितंबर से पहले नहीं हो पाएगी रिलीज

मुंबई (एजेंसी)। कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' को तुरंत राहत देने से बॉम्बे हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया है। हाई कोर्ट ने सेंसर बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह फिल्म को लेकर पेश की गई आपत्तियों पर विचार करे और 18 सितंबर तक सर्टिफिकेट जारी करे। अदालत के इस आदेश के बाद यह तो

तय हो गया है कि फिल्म की रिलीज कम-से-कम दो सप्ताह के लिए टल जाएगी। पहले फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होनी थी। इस आदेश के बाद कंगना ने कहा कि अदालत का यह कहना कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का आदेश नहीं आया होता तो सेंसर बोर्ड को सर्टिफिकेट जारी करने का आदेश देते, बता रहा है कि उसे फटकार लगी है। इसके साथ ही अदालत ने आदेश पारित करने से इनकार कर दिया।

● पत्नी पायलट, एक रुपए सैलरी...
छत्तीसगढ़ के चर्चित आईएएस अमित कटारिया की वापसी

रायपुर (एजेंसी)। दमदार आईएएस अधिकारी अमित कटारिया की छत्तीसगढ़ में वापसी हो गई है। वह अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। हालांकि वापसी के बाद उन्हें कोई विभाग नहीं मिला है। अमित कटारिया छत्तीसगढ़ में चर्चित आईएएस

अधिकारी रहे हैं। रमन सिंह की सरकार के दौरान वह काला चश्मा पहनकर पीएम नरेंद्र मोदी के सामने चले गए थे। यह उनके करियर का एक बड़ा विवाद था। इसे लेकर उन्हें नोटिस थमाया गया था। इसके साथ ही शुरुआती दिनों में वह नौकरी के दौरान महज एक रुपए की सैलरी लेते थे। आईएएस अफसर अमित कटारिया एक बड़े कारोबारी घराने से ताल्लुक रखते हैं। छत्तीसगढ़ के चर्चित आईएएस अफसर अमित कटारिया सात साल बाद वापस राज्य लौट आए हैं। कटारिया केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आकर अपनी ड्यूटी ज्वाइन कर ली है।

'बुलडोजर' ऐक्शन पर यूपी में आर-पार का संग्राम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर ऐक्शन पर राजनीति गरमाने लगी है। बुलडोजर एक्शन पर दोतरफा हमला शुरू हो गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों बुलडोजर कार्रवाई पर बड़ी सुनवाई हुई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए जाने की बात कही गई है। अब इस मामले पर यूपी का राजनीतिक पारा हाई है। पहले अखिलेश यादव का बयान आया। उन्होंने कहा कि 2027 में बुलडोजर का रुख गोरखपुर की तरफ मोड़ा जाएगा। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश पर करारा हमला

बोला। उन्होंने कहा कि बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत होनी चाहिए। अब अखिलेश यादव ने सीएम योगी के बयान पर पलटवार किय है। उन्होंने कहा है कि बुलडोजर में दिमाग नहीं होता है। यूपी चुनाव 2027 को लेकर अखिलेश ने कहा कि जनता बुलडोजर का स्टीयरिंग ही बदल देगी। अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर जवाबी हमला बोलते हुए कहा है कि यूपी सरकार ने जानबूझकर बुलडोजर चलवाए हैं। बुलडोजर ऐक्शन असंवैधानिक है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का हवाला देते हुए कहा कि बुलडोजर ऐक्शन असैंवाधानिक है।

ब्रूनेई में चीन का नाम लिए पीएम मोदी ने किया 'खेला'

● सुल्तान के सामने प्रधानमंत्री ने कहा-भारत विस्तारवाद के खिलाफ ● सिंगापुर पहुंचे मोदी, ढोल बजाया, भारतवंशी महिला ने राखी बांधी

सिंगापुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रूनेई के दौरे के बाद 2 दिन की यात्रा पर बुधवार को सिंगापुर पहुंचे। यहां भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने ढोल भी बजाया। लोगों ने पीएम मोदी को भगवा रंग का गमछा भेंट किया। सिंगापुर के जिस होटल में वे ठहरे हैं, उसके बाहर भी भारतीय समुदाय के लोग उनके स्वागत के लिए वहां मौजूद रहे। लोगों ने पीएम मोदी के साथ सेल्फी भी ली। इस दौरान एक महिला ने उन्हें राखी भी बांधी। सिंगापुर यात्रा के दौरान वे राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम, सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग समेत कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। इससे पहले बुधवार को पीएम ने ब्रूनेई सुल्तान बोल्किया के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं के बीच रक्षा, व्यापार, शिक्षा, तकनीक और स्वास्थ्य जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने बंदर सेरी बेगवान और चेन्नई के बीच सीधी फ्लाइट शुरू करने के फैसले का स्वागत किया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत की। ब्रूनेई के सुल्तान ने पीएम मोदी के सम्मान में दुनिया के सबसे बड़े महल 'इस्ताना नुरुल इमान' में लंच भी होस्ट किया। पीएम मोदी ने इस दौरान चीन का नाम लिए बिना बड़ा वार किया। पीएम ने इशारों-इशारों में चीन की विस्तारवादी नीति का कड़ा विरोध किया।

एक लाख 45 हजार करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी

● रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया फैसला ● दुश्मनों की आएगी शामत! टैंक, रडार से लेकर प्लेन तक की होगी खरीदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सशस्त्र सेनाओं की क्षमता बढ़ाने और आधुनिकीकरण के लिए करीब 1 लाख 45 हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को यह फैसला लिया गया। रक्षा खरीद परिषद ने एक लाख 44 हजार 716 करोड़ रुपये की राशि के 10 पूंजी खरीद प्रस्तावों पर अपनी मुहर लगाई। इन सौदों की कुल लागत का 99 प्रतिशत देश में ही डिजाइन, विकसित और निर्मित श्रेणी का होगा। इनमें सेना के टैंक बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए फ्यूचर रेडी कॉम्बैट व्हीकल्स की खरीद का प्रस्ताव भी शामिल है। एफआरसीवी बेहतर गतिशीलता, सभी इलाकों में काम करने की क्षमता, बहुस्तरीय सुरक्षा, सटीक और घातक आग पर काबू पाने वाले उपकरणों से लैस मुख्य युद्धक टैंक है। परिषद ने एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार की खरीद के लिए भी मंजूरी दी है, जो हवाई लक्ष्य का पता लगाएगा। साथ ही, यह ट्रैक करने के साथ-साथ फायरिंग करने में भी सक्षम होगा। फॉरवर्ड रिपेयर टीम की खरीद के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है जिसमें मशीनीकृत ऑपरेशन के दौरान इन-सीटू मरम्मत करने के लिए उपयुक्त क्रॉस कंट्री गतिशीलता है। यह उपकरण बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड की ओर से डिजाइन और विकसित किया गया है। यह मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री बटालियन और बख्तरबंद रेजीमेंट दोनों के लिए मंजूर किया

गया है। भारतीय तट रक्षक की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए जरूरतों के आधार पर खरीद के 3 प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं। डोर्नियर-228 विमान खराब मौसम की स्थिति में उड़ान भरने में सक्षम हैं। साथ ही, अगली पीढ़ी के तेज-तर्रार अपतटीय गश्ती जहाजों की खरीद होगी।

अब 'शाही स्नान' का नाम बदलना चाहते हैं संत

● शाही शब्द पर इस्लामिक और मुगलकालीन प्रभाव के लगाए आरोप

उज्जैन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में हर 12 वर्षों में एक बार महाकुंभ लगता है। इस बार महाकुंभ 2028 में उज्जैन के क्षिप्रा तट पर लगने वाला है। महाकुंभ की तैयारियों के बीच संतों ने 'शाही स्नान' शब्द पर आपत्ति जताते हुए नाम बदलने की मांग की है। कुछ संतों का कहना है कि यह शब्द इस्लामिक होने के साथ भारत पर मुगल साम्राज्य के प्रभाव को याद दिलाने वाली है। इसलिए इस शब्द को तुरंत हटाना चाहिए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने कहा है कि 13 अखाड़ों के साथ मिलकर इस संबंध में चर्चा की जाएगी और नाम बदलने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उज्जैन में निकलने वाली महाकाल की 'शाही' सवारी को लेकर भी इसी तरह का विवाद उठा था। इसके बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाही सवारी का नाम बदलकर 'राजसी सवारी' किया था। इसके बाद अब साधु संत उज्जैन में होने जा रहे सिंहस्थ कुंभ में 'शाही स्नान' का नाम बदलवाना चाहते हैं। अखाड़ा परिषद का कहना है कि सभी महामंडलेश्वर से चर्चा के बाद नाम बदलने के प्रस्ताव को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने रखा जाएगा।

गुजरात के 100 से ज्यादा गांवों में बाढ़ का अलर्ट

राजस्थान में रेल पटरी बही, हिमाचल में हाईवे-सड़कें बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने बुधवार को छत्तीसगढ़, बिहार समेत 19 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुजरात के महिसागर जिले के 106 गांवों में बाढ़ का अलर्ट है। यहां बाढ़ और बारिश से बीते 6 दिनों में 49 लोगों की जान गई है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और त्रिपुरा में बारिश-बाढ़ के चलते पिछले 7 दिनों में 64 लोगों की जान गई। आंध्र के 17, तेलंगाना के 16 और त्रिपुरा में 31 लोगों ने जान गंवाई। त्रिपुरा में अब तक 72 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। जोधपुर-जैसलमेर रेलवे ट्रैक को भी तेज बरसात से नुकसान हुआ है। आज सुबह से यहां दो ट्रेनें कैंसिल हुई हैं और एक ट्रेन को रास्ते में रोका गया है। वहीं, जोधपुर शहर नदियों की तरह पानी बह रहा है। इधर उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर भी बुधवार सुबह से लंबा जाम लगा हुआ है। हिमाचल में मंगलवार को बारिश के बाद 2 नेशनल हाईवे समेत 78 सड़कें बंद रहीं। कई जगहों पर लैंडस्लाइड हुई। मानसून सीजन में हिमाचल में बाढ़ और लैंड स्लाइड के चलते 153 लोगों की मौत हो चुकी है। नगालैंड के चुमौकेदिमा जिले के एक गांव में मंगलवार देर रात बाढ़ और लैंड स्लाइड में 3 लोगों की मौत हो गई। कई लोग

लापता हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है। राजधानी कोहिमा को दीमापुर से जोड़ने वाले एनएच-29 का एक हिस्सा पूरी तरह बह गया है। मध्य प्रदेश के रतलाम-मंदसौर समेत 5 जिलों में आज तेज बारिश हो सकती है। अगले 24 घंटे के दौरान झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, डिंडौरी, सिवनी, बालाघाट जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन समेत अन्य जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की आशंका है। राज्य में सीजन की 95 फीसदी यानी, एवरेज 35.3 इंच बारिश हो चुकी है। सिर्फ 2 इंच पानी गिरते ही इस साल भी सामान्य बारिश का कोटा फुल हो जाएगा। अगले 3 दिन तक कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होगी।

अब सीना फैलाकर पहले की तरह नहीं चलते मोदी

राहुल गांधी बोले-देश की जनता से डरने लगे हैं पीएम

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज से जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर तीखा हमला बोला। कांग्रेस लीडर ने कहा कि हमने नरेंद्र मोदी को मानसिक रूप से उड़ा दिया है। उनका आत्मविश्वास ही गायब हो गया। उन्होंने पहले कहा कि जाति जनगणना नहीं होगी। अब आरएसएस के लोग कह रहे हैं कि यह सही बात है। पहले उन्होंने कहा कि लैटरल एंट्री से बाहर के लोगों को सरकार में लाएंगे। थोड़ा सा दबाव डाला तो भाजपा बोली ऐसा नहीं होगा। आप यह समझ लीजिए कि नरेंद्र मोदी अब देश की जनता से डरते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि थोड़ा ही समय बचा है और हम नरेंद्र मोदी एवं भाजपा को सत्ता से हटा देंगे। उन्होंने कहा कि पहले नरेंद्र मोदी

जी सीना फैला कर आते थे, अब ऐसा नहीं है। पहले बड़े-बड़े भाषण देते थे। अब संसद में जाने से पहले संविधान को सिर पर रखा और फिर अंदर गए। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि एक राज्य से उसका दर्जा छीन लिया गया और यूटी बना दिया। हमने तय किया है कि सबसे पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देना है। आपका धन छीना जा रहा है। आपकी जमीन छीनी जा रही है। आपका पैसा बाहर के लोगों को दिया जा रहा है। सारे ठेके बाहर के लोगों को मिल रहे हैं। हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने का होगा। हम चाहते हैं कि पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और फिर चुनाव हो। भाजपा ऐसा नहीं चाहती और उनका कहना है कि पहले चुनाव हो फिर राज्य के दर्जे पर बात होगी। हम कहते हैं कि भाजपा चाहे या न चाहे, लेकिन इंडिया इतना दबाव डालेगा कि राज्य का दर्जा देना ही होगा।

राहुल गांधी पिता राजीव से ज्यादा समझदार, वे अच्छी स्ट्रैटजी बनाते हैं

सैम पित्रोदा ने फिर की तारीफ, कहा-उनमें प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा है कि वह अपने पिता राजीव गांधी से ज्यादा बुद्धिमान हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत की अवधारणा के संरक्षक हैं। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी पूर्व पीएम राजीव गांधी से ज्यादा बुद्धिमान हैं और रणनीति बनाने के मामले में भी उनसे बेहतर हैं। पित्रोदा ने जोर देकर कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण हैं। 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के अध्यक्ष पित्रोदा

ने भाजपा के इन आरोपों को 'झूठा' करार देते हुए खारिज किया कि राहुल ने अपनी पिछली विदेश यात्राओं के दौरान भारत सरकार की आलोचना करने वाली टिप्पणियां की थीं। राहुल गांधी अगले सप्ताह ही अमेरिका जा रहे हैं। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी यहां आधिकारिक यात्रा पर नहीं आ रहे हैं।

पैराशूट से कूदे जवान, फाइटर प्लेन का विक्ट्री फॉर्मेशन

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सैन्य महोत्सव के दूसरे दिन फाइटर प्लेन ने विक्ट्री फॉर्मेशन बनाया। पैराशूट से कमांडो कूदे। जवानों ने गांवों में छिपे आतंकियों को खोजकर मार गिराने का रिहर्सल किया। हेलीकॉप्टर से पलभर में जवान रस्सी के सहारे उतरे। पोजिशन ली और टारगेट पर निशाना लगाया। फाइटर प्लेन जगुआर ने आसमान में गोते खाए। ऊपर से गुजरे तो दर्शक हैरान रह गए। लोग खड़े होकर सैल्यूट करने लगे। डॉग स्क्वायड और घुड़सवारों ने भी कमाल दिखाया।

नौसेना के बैंड ने मार्शल ट्यून बजाया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इधर, लखनऊ में सीडीएस के साथ तीनों सेना प्रमुख की कॉन्फ्रेंस हुई। यहां नॉर्थ-ईस्ट और बांग्लादेश के हालात पर चर्चा की गई।

गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बैठक को संबोधित करेंगे। सूत्र बताते हैं कि बैठक में तीनों सेना के बीच देश की सुरक्षा, हथियार खरीद और वित्तीय योजनाओं पर चर्चा होनी है।

बुलेट छोड़, बैलेट पर जगा अलगाववादियों का भरोसा!

जम्मू-कश्मीर में बदल रही सियासी तस्वीर, भर रहे नॉमिनेशन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 में कई अलगाववादी नेता मुख्यधारा की राजनीति में स्विच करते दिख रहे हैं। अलगाववादी नेता और हुर्रियत सदस्य सैयद सलीम गिलानी रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गए। गिलानी पीडीपी कार्यालय में पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की मौजूदगी में इस राजनीतिक दल में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने कहा, पीडीपी ऐसी पार्टी है जो लोकतांत्रिक अधिकारों, मानवाधिकारों और लोगों के राजनीतिक अधिकारों की बात करती है। यह कश्मीर समस्या के राजनीतिक समाधान की बात करती है। इसलिए मुझे लगा कि इसमें शामिल होने के लिए यह सही पार्टी है। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे का समाधान केवल राजनीतिक रूप से ही हो सकता है। बंदूक से कोई समाधान नहीं हो सकता। हिंसा में खत्म हो रही जिंदगियों को बचाने का यही एकमात्र तरीका है। सैयद सलीम गिलानी जेल में बंद अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह का करीबी सहयोगी रहा है। वह मीरवाइज उमर फारुक के नेतृत्व वाली हुर्रियत कॉन्फ्रेंस की जनरल काउंसिल के सदस्य थे। गिलानी का स्वागत करते हुए मुफ्ती ने कहा कि यह अच्छी बात है कि पूर्व अलगाववादी नेता कश्मीर समस्या का शांतिपूर्ण

समाधान चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हमने गिलानी से पीडीपी के टिकट पर चुनाव लड़ने का अनुरोध किया था, लेकिन उन्होंने ऐसा करने में असमर्थता जताई। उन्होंने कहा कि किसी और को चुनाव लड़ने का मौका मिलना चाहिए।' नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने भी इसका स्वागत किया है। उमर ने कहा कि अलगाववादी नेताओं का मुख्यधारा के दलों में शामिल होने और जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ने का फैसला वैचारिक बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा, इससे पहले जब भी चुनाव होते थे, अलगाववादी बहिष्कार का मुद्दा उठाते थे। आज वे चुनाव लड़ रहे हैं। यह दर्शाता है कि वैचारिक परिवर्तन हुआ है। उमर अब्दुल्ला से पूछा गया था कि क्या अलगाववादी नेता सैयद सलीम गिलानी का पीडीपी में शामिल होना 2002 के चुनावों में पीडीपी को अलगाववादियों के समर्थन का सबूत है।

पूर्व अलगाववादी नेताओं ने भरा अपना नॉमिनेशन

जमात-ए-इस्लामी के 2 पूर्व सदस्यों ने पहले चरण के चुनाव के लिए दक्षिण कश्मीर से नॉमिनेशन फाइल किया है। पूर्व जमात नेता तलत मजीद ने फर्स्ट फेज के लिए पुलवामा विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र भरा। जमात के एक अन्य पूर्व नेता सयार अहमद रेशी ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम विधानसभा क्षेत्र से अपना नॉमिनेशन दाखिल किया। इसी तरह, जमात के पूर्व सदस्य नजीर अहमद देवसर निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने जा रहे हैं। जानकारों का मानना है कि इंजीनियर रशीद ने लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की, जिससे दूसरे अलगाववादी नेताओं का चुनाव लड़ने को लेकर मनोबल बढ़ा है। राशिद की अवामी इत्तेहाद पार्टी ने इस विधानसभा चुनाव के लिए 9 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची भी जारी कर दी है।

कोर्ट की सख्ती

केस डायरी में देरी पर एकसाथ 23 पुलिस अफसर वर्चुअली हाई कोर्ट में हुए हाजिर

इंदौर (एजेंसी)। हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में लगने वाले आपराधिक मामलों में पुलिस के द्वारा पहली सुनवाई पर कभी भी डायरी पेश नहीं किए जाने पर इंदौर-उज्जैन संभाग के 23 वरिष्ठ पुलिस अफसर मंगलवार को वर्चुअली हाई कोर्ट में पेश हुए। जस्टिस संजीव कलगांवकर की खंडपीठ के समक्ष सुबह सबसे पहले इसी मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट का सख्त रूप देखते हुए इंदौर पुलिस कमिश्नर सहित 23 अफसर सुबह 10 बजे से ही वर्चुअली जुड़ गए थे। इंदौर के सीपी राकेश गुप्ता ने कहा कि 2023 से पहले के जो मामले हैं उनमें डायरी पेश करने में दिक्कत हो रही है। 2023 के बाद के मामलों में तो तय तारीख पर केस डायरी पेश की जा रही है। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि नए, पुराने सभी तरह के मामलों में केस डायरी देरी से आ रही है। हाई कोर्ट ने सीधा सवाल किया कि- केस डायरी भेजने में क्या दिक्कत आ रही है? कोर्ट के द्वारा राजगढ़, धार, उज्जैन, नीमच सहित अन्य जिलों के एसपी से भी केस डायरी समय पर नहीं भेजने का जवाब मांगा। राजगढ़ एसपी अभिषेक आनंद ने कोर्ट का नोटिस समय पर मिलने, डायरी तय तारीख से पहले मिलने की व्यवस्था बनाए जाने की बात कही।

एसपी ने यह बताए कारण

धार एसपी मनोज सिंह ने कारण बताया कि फ्लैगिंग गलत हो गई थी। इस वजह से डायरी पेश होने में देरी हुई। राजगढ़ एसपी ने कहा कि इंदौर से राजगढ़ डायरी जाने में पांच घंटे लगते हैं। कभी दिन कम मिलने पर कोर्ट में पुटअप होने में देरी हो जाती। समन्वय की कमी की बात भी सामने आई।

गुप्ता ने इस पर कहा कि साल 2023 से पहल के केस में डायरी सर्च करने में देरी होती है। यदि इसमें एक सप्ताह का समय मिले तो समय पर डायरी हो जाएगी। इस पर जस्टिस ने कहा कि मैंने अभी आदेश में जो कहा था इसमें सभी 2024 के नए केस थे, लेकिन इसमें भी समस्या आई।

सीसीटीएनएस नेटवर्क से होगा काम

सभी की समस्या सुनने पर जस्टिस ने पूछा कि ऑनलाइन में कोई समस्या है क्या, सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम) पर सब अपडेट रहता है? इस पर सभी ने हां कहा और इस पर सहमति जताई कि ऑनलाइन केस डायरी जल्द भेजी जा सकती है। सीपी गुप्ता ने भी कहा कि सीसीटीएनएस में सब तैयार होता है। इससे सुविधा होगी। इंदौर के सीपी और सभी डीसीपी के साथ ही रतलाम, नीमच, बड़वानी, मंदसौर, धार, अलीराजपुर, देवास, झाबुआ, आगर, खरगोन, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन के एसपी मौजूद थे।

केस नंबर गलत, इसलिए हुई देरी

पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने कोर्ट को बताया कि इंदौर से जुड़े 10 मामलों में डायरी पेश नहीं होने की जानकारी मिली है। इनमें से कुछ केस में प्रकरण का नंबर गलत होने की वजह से देरी हुई। बाकी मामलों में डायरी समय से पहले ही अतिरिक्त महाधिवक्ता आफिस भेज दी गई थी।

इसलिए तलब हुए इतने पुलिस अफसर

अधिवक्ता मनीष यादव के मुताबिक जस्टिस कलगांवकर के समक्ष खरगोन के फरियादी की जमानत का आवेदन लगा था। सुनवाई के दिन केस डायरी नहीं आई। जस्टिस ने इस पर खासी आपत्ति ली और कई अन्य केस की रिपोर्ट निकलवाई तो सात दिन में 35 से ज्यादा केस में सामने आए जिनमें डायरी नहीं होने की बात कही गई।

लिफ्ट की डक्ट में गिरा डेढ़ साल का मासूम

पानी में डूबने से गई जान; इंदौर में बड़े भाई के साथ खेल रहा था

इंदौर (एजेंसी)। मामला लसूडिया थाना इलाके का है। यहां निपानिया में द एड्रेस टाउनशिप में विशाल पटेल, पत्नी, 6 साल के बड़े बेटे शिवा और डेढ़ साल के छोटे बेटे रियांश के साथ रहते हैं। विशाल शिवालय इंटरप्राइजेस में चौकीदारी करते हैं। मंगलवार शाम को खेलते-खेलते रियांश डक्ट में गिर गया।

लिफ्ट की डक्ट में झांका तो दिखा बच्चा

टीआई तारेश सोनी ने बताया, मंगलवार शाम करीब साढ़े 6 बजे विशाल एटीएम से पैसे निकालने गए थे। पत्नी किचन में खाना बना रही थी। दोनों बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। कुछ देर बाद विशाल लौटे तो रियांश दिखाई नहीं दिया। पहले पत्नी, फिर बड़े बेटे शिवा से पूछा। शिवा ने बताया कि हम दोनों साथ-साथ खेल रहे थे लेकिन रियांश वहां से कुछ दूर चला गया था। विशाल ने पड़ोसियों के साथ मिलकर तलाश शुरू की। इसी दौरान उन्होंने लिफ्ट की डक्ट में झांका तो रियांश पानी में डूबा दिखाई दिया। वे रियांश को पानी से निकालकर बॉम्बे हॉस्पिटल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीसीटीवी फुटेज में दिखा अकेला जाता रियांश

टीआई सोनी ने कहा- विशाल का परिवार मूल रूप से खंडवा के भगवानपुरा गांव का रहने वाला है। उनके रिश्तेदार द एड्रेस टाउनशिप में चौकीदारी का काम करते हैं। यहां पांच इमारतों का निर्माण कार्य चल रहा है। विशाल भी इसी परिसर में अलग कमरे में रहता है। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में रियांश अकेला ही डक्ट की तरफ जाता दिखाई दिया। दूसरे सभी बच्चे सड़क पर खेलते दिख रहे हैं।

मामा ने कहा– हमें लगा कि मौसी के यहां होगा

रियांश के मामा वंश ने बताया कि परिवार के कई लोग इसी बिल्डिंग में काम करते हैं। बच्चा कई बार खेलते हुए मौसी के घर चला जाता था। पूछा तो रियांश वहां नहीं मिला। परिसर में चारों तरफ दीवार और गेट हैं इसलिए बिल्डिंग के अंदर ही ढूंढ़ते रहे। काफी देर बाद डक्ट की तरफ ध्यान गया।

इंदौर के सरकारी नर्सिंग कॉलेज की परीक्षा में पकड़ाया स्टूडेंट

फर्जी आईडी और एडमिट कार्ड से दूसरे स्टूडेंट की जगह देने आया था एग्जाम, केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के अन्न-पूर्णा में एक कॉलेज में चल रही नर्सिंग की एग्जाम में फिर से फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। यहां डॉक्टर ने फर्जी तरीके से एग्जाम देने आए युवक पर केस दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। अन्नपूर्णा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक डॉक्टर अजीत पाल सिंह चौहान की शिकायत पर शशांक शेखर, निवासी वार्ड 10, विलेज भवनीपुर, पोस्ट परिहार, भवानीपुर सितामढ़ी बिहार के खिलाफ 319(2), 62 बी.एन.एस., 3डी/4 म.प्र. मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 की धारा में केस दर्ज किया गया है। डॉक्टर चौहान ने बताया कि शशांक शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय लोकमान्य नगर में दूसरे छात्र के बदले एग्जाम देने पहुंचा था। यहां पर 28 अगस्त को जीएनएम के प्रथम वर्ष नर्सिंग की परीक्षा थी। शशांक यहां जो आईडी कार्ड और प्रवेश पत्र लेकर आया। उसमें लगा फोटो दूसरे फार्म के फोटो से मिलान नहीं कर रहा था। पूछताछ में पूरा मामला फर्जी मिला। इसके बाद अन्नपूर्णा पुलिस को लिखित शिकायत की गई। जिसमें जांच के बाद केस दर्ज किया गया।

सुसाइड से पहले का मैसेज...मुझे प्रेग्नेंट कर मुंबई भाग गया

युवती ने प्रेमी के भाई को किया था मैसेज, पिता-भाई ने पुलिस को सौंपी चैट हिस्ट्री

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एमआईजी में दो दिन पहले एक युवती के सुसाइड केस में नया खुलासा हुआ है। युवती के भाई ने पुलिस को बताया कि गोलू गौर निवासी रीवा मेरी बहन से मिलने के लिये लगातार दबाव बना रहा था। मोबाइल पर कॉल करके उसे धमकाता था। युवती के मोबाइल से उसके भाई को कुछ स्क्रीन शॉट भी मिले हैं। जिसमें उसने लिखा था कि गोलू ने उसका गलत फायदा उठाया। वह प्रेग्नेंट कर मुंबई भाग गया। यह मैसेज आरोपी गोलू के भाई पप्पू को भेजे थे। युवती के भाई ने पुलिस को बताया कि आरोपी गोलू मेरी बहन को दूसरी जगह शादी नहीं करने के लिए धमका रहा था। पुलिस इस मामले में जल्द आरोपी की गिरफ्तारी कर सकती है। एमआईजी पुलिस ने 18 साल की युवती के सुसाइड केस में गोलू गौर निवासी रीवा खिलाफ प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिये उकसाने का केस दर्ज किया है। मैसेज के स्क्रीन शॉट मिलने के बाद पुलिस रेप की धाराएं भी बढ़ाने की तैयारी में है। पुलिस को युवती के पिता ने बताया कि दो माह से आरोपी लगातार मोबाइल पर धमकी दे रहा था। जिसमें वह कहीं और शादी नहीं करने की बात पर धमका रहा है। पिता ने बेटी के मोबाइल में आए मैसेज भी पुलिस को सौंप दिए हैं।

इंदौर में डंपर ने सैलून कर्मचारी को टक्कर मारी, मौत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के खुडैल इलाके में एक सड़क हादसे में मंगलवार को एक सैलून के कर्मचारी की मौत हो गई। वह बाइक से घर जा रहा था। तभी उसकी बाइक को डंपर ने टक्कर मार दी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल भेजा है। खुडैल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक राजकुमार (35) पुत्र मदनलाल वर्मा निवासी करणावद ग्राम की खुडैल रोड पर हादसे में मौत हो गई। राजकुमार इंदौर से गांव की तरफ जा रहा था। पुलिस ने बताया कि राजकुमार एक सैलून पर काम करता है। पुलिस डंपर चालक की तलाश कर रही है। वहीं तेजाजी नगर में दीपक (24) पुत्र सुभाष निवासी भरकिया की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि वह रैफर यूनिक वर्ल्ड कंपनी के लिए काम करता था। मंगलवार को वह अपने भाई के साथ काम कर रहा था। इसी दौरान लोहे की सीढी से वह नीचे गिर गया। पुलिस के मुताबिक संभवत इलेक्ट्रिक तार से झटके के चलते उसकी मौत हुई है। मामले में जांच की जा रही है।

सरकारी होस्टल से 11 साल की छात्रा गायब

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के तेजाजी नगर में सरकारी होस्टल से 11 साल की एक छात्रा लापता हो गई। होस्टल की अधीक्षिका ने पुलिस से अपहरण की शिकायत की है। पुलिस ने छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। तेजाजी नगर पुलिस ने ज्ञानोदय आवासीय कन्या छात्रावास की अधीक्षिका मीनाक्षी गोयल की शिकायत पर 11 साल की काजल निवासी बैतूल के अपहरण का केस दर्ज किया है। अधीक्षिका ने पुलिस को बताया कि वह छठी क्लास में पढ़ती है। मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे स्टाफ ने अधीक्षिका को जानकारी दी कि काजल मंगलवार को खाना खाने नहीं पहुंची। कमरे में जाकर देखा तो वह नहीं मिली। रूम की अन्य बच्चियों से पूछा तो पता चला कि वह 3.30 बजे से वहां नहीं थी। बाद में बच्ची के परिजनों को अधीक्षिका ने जानकारी दी।

भाई को पैनिक अटैक आया तो परेशान हो गया था

इंदौर के एमवायएच में महिला डॉक्टर को परेशान करने वाले अटैंडर ने बताया

इंदौर (एजेंसी)। एमवाय अस्पताल में तीन दिन पहले एक शराबी अटैंडर द्वारा महिला डॉक्टर ड्यूटी रूम का ताला तोड़ने प्रयास का मामला नाटकीय निकला। कमेटी को मंगलवार को अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी लेकिन जब बयान हुए और तस्वीर साफ होती गई। दरअसल मामला ताला तोड़ने के प्रयास या बदनीयती का था ही नहीं। शराबी अटैंडर ने अपने मरीज की बिगड़ती हालत को देखकर महिला डॉक्टर का रूम जोर-जोर से खटखटाया था। बयान के दौरान उसने महिला डॉक्टर और कमेटी के सामने खूब माफी मांगी और रोया भी। उसे महिला डॉक्टर ने माफ कर दिया। इसके बाद कमेटी कुछ कहने या करने की स्थिति में नहीं है। सोमवार को कमिश्नर, कलेक्टर राज्य शासन द्वारा निर्देशित अस्पतालों की सुरक्षा संबंधी स्थिति जानने के लिए एमवायएच भी पहुंचे थे। उन्होंने पूरे अस्पताल की सुरक्षा की स्थिति जानी थी। इसके साथ ही इस केस की भी जानकारी ली थी। फिर कमिश्नर भी सरकारी अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तत्काल बैठक बुलाई। इसके साथ ही सारे अस्पतालों के सीसीटीवी कैमरों को कंट्रोल रूम से जोड़ने के निर्देश दिए।

पहले जानिए क्या था मामला

घटना 31 अगस्त की रात अस्पताल 5वीं मंजिल पर हुई थी। रात 12.30 बजे एक शराबी युवक महिला डॉक्टर ड्यूटी रूम पर गया। उस दौरान महिला डॉक्टर सो रही थी। उसने जोर-जोर दरवाजा खटखटाया। फिर ताला पर ठोंकना शुरू किया। इस पर महिला डॉक्टर डर गई। उसने जूनियर डॉक्टरों के इंटरनल ग्रुप पर मैसेज किए तो वे वहां पहुंचे। इसके बाद महिला डॉक्टर ने घटना बताई। तब वहां सिक्योरिटी गार्ड नहीं था और न ही कैमरा लगा है। एक अन्य गार्ड उसके पास के कॉरिडोर में कुर्सी पर सो रहा था। उसे घटना की जानकारी ही नहीं थी। इस बीच स्टाफ ने सीएमओ को लिखित शिकायत की। इधर, डॉक्टरों ने मामले को कोलकाता रेप-मर्डर कांड के बाद सुप्रीम कोर्ट और शासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों को लेकर सवाल उठाए। इस पर डीन डॉ. संजय दीक्षित ने तत्काल 1 सितम्बर की सुबह जांच के लिए चार सदस्यीय डॉक्टरों की कमेटी बनाई। कमेटी को सुप्रीम कोर्ट की गाइन लाइन के अनुसार 24 घंटे में रिपोर्ट सौंपने को कहा।

अगले दिन घबराकर चला गया

जब अगले दिन उसे मीडिया और अस्पताल में घटना के बारे में पता चला तो काफी घबरा गया और चला गया। इधर, जांच कमेटी ने मंगलवार को महिला डॉक्टर, शराबी अटैंडर, अन्य ड्यूटी डॉक्टर, गार्ड आदि के बयान लेना शुरू किए। इस पर उसके परिजन पहुंचे और खूब माफी मांगी। इस दौरान वे रोते रहे और कहा कि एक बेटा पहले ही गंभीर बीमारियों से ग्रस्त है। महिला डॉक्टर के बयान से दूसरे बेटे पर केस दर्ज हो जाएगा। उसकी भी जिंदगी खराब हो जाएगी। फिर शराबी अटैंडर भी कमेटी के सामने खूब रोया और गिड़गिड़ाने लगा। महिला डॉक्टर ने भी बयान में कहा कि वह मामले में कोई कार्रवाई नहीं चाहती। बहरहाल, अब कमेटी डीन को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगी। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के वाइस प्रेसीडेंट डॉ. आकाश वर्मा ने बताया कि मरीज एडमिट है। उसकी हालत ठीक है।

इंदौर में सुबह से बादल छाने के साथ रिमझिम

अगले दो दिन एक्टिव रहेगा नया सिस्टम; दोपहर बाद हल्की बारिश हुई

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में बुधवार सुबह से कई इलाकों में बादल छाने के साथ रिमझिम बारिश का दौर जारी था। मौसम वैज्ञानिकों ने आज इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में दोपहर बाद बारिश होगी। सीनियर मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के मुताबिक अभी तीव्र निम्न दाब क्षेत्र एक्टिव है। मानसून ट्रफ प्रदेश के रायसेन, छिंदवाड़ा से गुजर रही है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी बनी हुई है। इस कारण प्रदेश में तेज बारिश हो रही है। अगले 2-3 दिन यह सिस्टम एक्टिव रहेगा। इससे पहले मंगलवार को सुबह से बादल छाने के साथ दोपहर बार कई इलाकों में बारिश का दौर शुरू हो गया।

जिससे लोगों को उमस से राहत मिली। यह सिलसिला शाम तक जारी रहा।

एक हफ्ते का तापमान

सोमवार को दिन का तापमान 1 डिग्री लुढ़ककर 29.1 (0) डिग्री पर आ गया। रात के तापमान में 1 डिग्री का इजाफा हुआ और 23.6 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस दौरान दिनभर में 8.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं मंगलवार को दिन का पारा 29.6 °C (0) और रात को 23.5 °C (+2) रिकॉर्ड किया गया। अभी तक इस सीजन की बारिश 31 इंच के करीब हुई है।

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर से गैंगरेप

रील बनाने के बहाने रीजनल पार्क से खुड़ैल ले गए, दो गिरफ्तार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर से गैंगरेप का मामला सामने आया है। दो आरोपियों ने दोस्त को मारपीट कर बेहोश कर दिया। फिर युवती से रेप किया। मल्हारगंज पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच तेजाजी नगर पुलिस को सौंपी है। इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मल्हारगंज पुलिस ने 22 साल की पीड़िता की शिकायत पर इस्लामुद्दीन और दानू उर्फ रिजवान पर रेप और मारपीट का केस दर्ज किया है।

पीड़िता ने बताया कि वह सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर है और मॉडलिंग भी करती है। मंगलवार को मेरे दोस्त जुनैद का फोन आया। उसने रील बनाने के लिए कहा। हम दोनों जिंसी हाट मैदान पहुंचे। यहां जुनैद के दोस्त इस्लामुद्दीन और दानू उर्फ रिजवान मिले। हम चारों यहां से रीजनल पार्क पहुंचे। तब इस्लामुद्दीन और रिजवान ने कहा कि रील बनाने के लिए हमारे पास इससे भी अच्छी जगह है। वे दोनों हमें खुड़ैल रोड पर एक कॉलोनी में पहुंचे। यहां एक टापरी बनी थी। दोनों ने कुछ देर बाद रील बनाने का कहा। और अंदर जाकर जुनैद को पीट-पीटकर बेहोश कर दिया। इसके बाद इस्लामुद्दीन और रिजवान ने मेरे साथ रेप किया। कुछ देर बाद दोनों के मामू वहां पहुंचे। उन्हें देखकर दोनों भाग गए। जुनैद को होश आने के बाद मैं उसके साथ मल्हारगंज थाने पहुंची और रिपोर्ट लिखाई। मल्हारगंज पुलिस ने जीरो पर कायमी करके खुड़ैल पुलिस को जांच के लिए फाइल भेज दी है। खुड़ैल पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान मामला तेजाजी नगर थाना क्षेत्र का निकला है, इसलिए मल्हारगंज पुलिस से मिली जांच को तेजाजी नगर थाने को सौंप दिया है।

प्रेमिका और उसके भाई से परेशान प्रेमी ने किया सुसाइड

मैं निर्दोष हूं लेकिन लड़का हूं, मेरी कौन सुनेगा, इसलिए जान दे रहा...

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के अन्नपूर्णा नगर में प्रेम प्रसंग के चलते एक प्रेमी ने ट्रेन के नीचे लेटकर सुसाइड कर लिया। उसने एक सुसाइड नोट लिखा है। जिसमें उसने प्रेमिका और उसके भाई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना मंगलवार शाम 6 से 7 बजे के बीच की है। मृतक पेशे से निजी कंपनी की लोडिंग रिक्शा चलाता था। अन्नपूर्णा पुलिस के मुताबिक रितिक (23) पुत्र प्रताप बछाने निवासी देवेन्द्र नगर (अन्नपूर्णा नगर) ने नटराज गार्डन के पीछे रेलवे ट्रैक पर जानकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड नोट में उसने प्रेमिका और उसके भाई को मौत का जिम्मेदार बताया है। उसने लिखा कि मैं निर्दोष हूं, लेकिन लड़का हूं, इसलिए मेरी कोई नहीं सुनेगा। सब लड़की की सुनेंगे। इसलिए मैं जान दे रहा हूं। सुसाइड नोट में आगे उसने लिखा कि-मेरा नाम रितिक बछाने है। मेरी मौत के जिम्मेदार प्रेमिका, उसका भाई शुभम बाथम राठौर, निखिल राठौर है। लड़की और मेरा चक्कर एक साल से चल रहा था। इस बात की जानकारी उसके घर वालों को लग गई थी। लड़की उसके घर से भागकर मुझसे शादी करना चाहती थी।

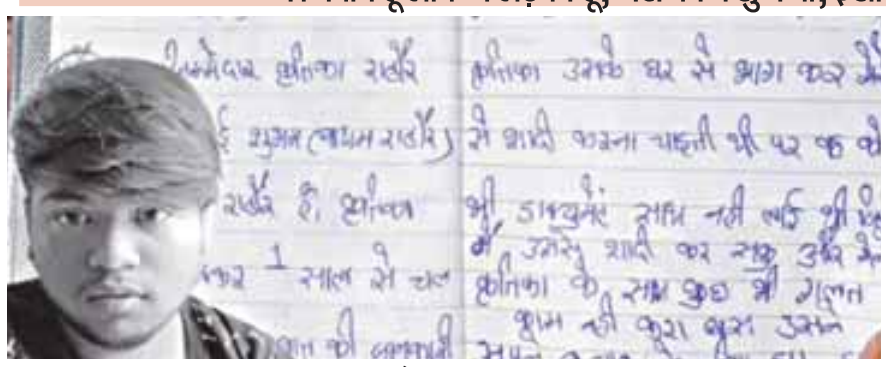

लेकिन कोई भी डाक्यूमेंट साथ नहीं लाई थी। मैंने लड़की के साथ कुछ गलत काम नहीं किया। बस उसने अपने परिवार के डर से बचाव में बोल दिया कि मैं उसे डराता था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। मैंने आज तक उसे नहीं डराया। मैं तो रोज सैंडविच खिलाता और उसे कॉलेज छोड़ता। मैं क्यों उसे डराउंगा? मैंने मेरी जान से बढ़कर उसका ध्यान रखा। कभी भी उसे किसी चीज की कमी नहीं होने दी। उसने जो मांगा वह लाकर दिया। एक आवाज पर साड़ी लिपस्टिक, चप्पल, जूते, कपड़े सारी चीजें लाकर दी। उसने मुझे बहुत ब्लैकमेल किया। इसके मेरे पास सबूत है। उसका भाई 15-20 गुंडों के साथ आया और मेरा फोन ले गया। सारे सबूत हटवाए ताकि उसकी बहन की बदनामी ना हो। उसका भाई मेरे घर पर रोज रात को 10 बजे आता है और मेरे घर वालों को डराता है। खुद की बहन को नहीं समझाता। मेरे मरने के बाद मेरे घर वालों को सुरक्षा दी जाए, वे निर्दोष हैं। अन्नपूर्णा टीआई से मेरा हाथ जोड़कर निवेदन है लड़की और उसके सभी भाइयों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई जाए। मुझे न्याय मिले। चूंकि मैं लड़का हूं और इस मामले में मेरी बात कोई नहीं मानेगा। इसलिये मैं मरने जा रहा हूं। मां तुम टेंशन मत करना मेरे पास कोई और रास्ता नहीं है। मैंने मोबाइल में वीडियो बना दिया है। अब मैं चलता हूं तुम अच्छी तरह से रहना। पा को हिम्मत देना। इन्हें सजा दिलाना। बाय-बाय। मेरी एक्टिवा ब्रिज के नीचे खड़ी है।

घर में एक बहन, मां का इकलौता बेटा

मृतक रितिक के भाई (मामा के बेटे) लोकेश ने बताया कि रितिक निजी कंपनी में लोडिंग चलाता था। परिवार में एक बहन है, जिसकी शादी नहीं हुई है।

संपादकीय

दोषियों पर हो सख्त एक्शन

महिला सुरक्षा को लेकर चौतरफा गहरा असंतोष है। कोलकाता महिला चिकित्सक बलात्कार और हत्याकांड के बाद महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों को कड़ाई से लागू करने और यौन उत्पीड़न संबंधी मामलों में त्वरित कार्रवाई की जरूरत फिर से रेखांकित की जा रही है। कोलकाता में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। उस घटना पर हर राजनीतिक दल और बड़ा नेता अपनी संवेदना व्यक्त कर चुका है। राष्ट्रपति ने भी कहा कि अब बहुत हो चुका, ऐसी घटनाएं किसी भी रूप में रुकनी ही चाहिए। अब प्रधानमंत्री ने जिला न्यायालयों के न्यायाधीशों के सम्मेलन में उनसे अपील की कि महिला और बाल उत्पीड़न संबंधी मामलों में वे शीघ्र सुनवाई करें, ताकि उन्हें इंसाफ मिल सके और अपराधियों में खौफ पैदा हो। हकीकत यही है कि बलात्कार और बाल यौन उत्पीड़न जैसे मामलों पर नकेल कसना इसीलिए मुश्किल बना हुआ है कि अपराधियों में कानून का भय पैदा नहीं हो सका है। निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों को और सख्त बनाया गया था। बाल यौन शोषण के विरुद्ध पाक्सो कानून बना था, जिसमें आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी और जमानत तक न देने का कड़ा प्रावधान किया गया। मगर उन कानूनों का भय कहीं नजर नहीं आता। कड़े कानून बना देने भर से अपराधों पर लगाम लगने का भरोसा पैदा नहीं किया जा सकता। इसके लिए जरूरी है कि उन्हें सही तरीके से अमल में लाया जाए और न्यायालयों में शीघ्र निर्णय हो। मगर हकीकत यह है कि महिला उत्पीड़न संबंधी ज्यादातर मामलों में समय पर कार्रवाई नहीं हो पाती। बहुत सारे मामलों में तो प्राथमिकी दर्ज करने में ही कई दिन लग जाते हैं। इस तरह बलात्कार जैसे मामलों में जरूरी सबूत भी ठीक से उपलब्ध नहीं हो पाते। फिर, जांचों में पुलिस इतना विलंब कर देती है कि सुनवाई वर्षों तक चलती रहती है। इसके अलावा सबसे चिंता की बात यह है कि बलात्कार के मामले में दोष सिद्धि की दर बहुत न्यून है। सबूतों के अभाव में अपराधी छूट जाते हैं। पाक्सो जैसे कानून में भी अनेक बार देखा गया है कि रसूखदार आरोपियों के मामले में पुलिस गिरफ्तारी तक को टालती रहती है। फिर गवाहों और पीड़िता तक को डरा-धमका या लोभ-लालच देकर बयान पलटने पर मजबूर कर दिया जाता है। इन स्थितियों से अदालतें अनजान नहीं हैं। मगर आमतौर पर निचली अदालतें उस तरह पुलिस पर जांचों में तेजी और निष्पक्षता लाने का दबाव नहीं बना पातीं, जिस तरह कई बार ऊपरी अदालतें करती हैं। फिर, अदालतों पर मुकदमों का बोझ अधिक होने की वजह से मामलों की सुनवाई लंबे समय के लिए टलती रहती है। महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में प्रावधान किया गया कि उन्हें त्वरित अदालतों में निपटाया जाए। साल भर के भीतर उन पर फैसला देने का प्रयास हो। मगर जो मामले खूब विवादों और चर्चा में रहते हैं, उनकी सुनवाई भी जल्दी पूरी नहीं हो पाती। जिन देशों में आपराधिक मामलों में सख्त और तेज कार्रवाई होती है, वहां अपराध की दर काफी नीचे देखी जाती है। महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध देश के किसी भी हिस्से में हो, अगर पुलिस तुरंत सक्रिय होकर कार्रवाई करे, जिला अदालतें महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों में सख्ती और तत्परता दिखाएं, तो ऐसी आपराधिक प्रवृत्तियों पर लगाम लगाना आसान हो जाएगा। कानून का भय अपराध को रोकने में सबसे कारगर उपाय होता है।

नजरिया

कमलेश पारे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

शिक्षक को 'कमजोर कड़ी' क्यों रखा जाये

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहा करते थे कि यदि 'सूरज बनना चाहते हो, तो सूरज की तरह जलना सीखो'। यानी हर सपने को पूरा करने की तैयारी पूरी रखो। अपने राष्ट्रीय संकल्पों को लेकर जब हम अपने आप को परखेंगे, तो पायेंगे कि कलाम साहब की बात से हम बहुत पीछे हैं।

वर्ष 2020 के अगस्त से लगाकर अब सितम्बर '2024 तक हम अपनी शिक्षा पद्धति को आमूल-चूल बदलकर वैश्विक स्तर की बनाने में लगे हैं। क्योंकि हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को 'वैश्विक नागरिक' बनाना है। हमारे सपने, हमारे भाव और हमारे प्रयास जरुर अच्छे होंगे, लेकिन उद्देश्य तक पहुंचने की प्रक्रिया में हम अपने पिछले कदमों की बिना किसी लाग-लपेट या शरम के समीक्षा तो कर ही सकते हैं। समीक्षा आत्म-निंदा या निंदा कतई नहीं होती। वह हमसे कठिन कठिन सवाल पूछती है। यही वह आग है जिसमें जलकर हम 'सूरज' बन सकते हैं।

समीक्षा तो हमें आगे बढ़ने और अपनी भूलों के सुधार का रास्ता बनाती है। इसी क्रम में हममें से कितनों को मालूम है कि अभी भी हमारे 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के हमारे 60 प्रतिशत बच्चे पढ़ नहीं सकते। लगभग 70 प्रतिशत बच्चों की गणित की समझ बहुत बहुत कम है। यह बात किसी दिल जले विरोधी ने नहीं कही है, बल्कि विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में लिखी है।

विद्यालयों, हम सरकारी स्कूलों की बात करें, क्योंकि देश के तीन चौथाई से ज्यादा बच्चे इन्हीं में पढ़ते हैं, में तो भवन से लगाकर मूल भूत सुविधाओं तक की स्थिति वही है, जिस पर हम वर्षों से चिंतित और परेशान हैं।

हाल ही में 'टाईम्स ऑफ़ इंडिया' में एक खबर छपी थी कि नई शिक्षा नीति को सबसे पहले अपनाने वाले राज्य मध्य प्रदेश के 'राज भवन' के ऐन पास ही एक सरकारी स्कूल है, जिसका अपना कोई भवन नहीं है। वह एक अन्य विभाग के सामुदायिक भवन में लगता है व वहां एक ही कमरे में दो-दो कक्षाएं भी लगती हैं। ही कमरे में दो-दो कक्षाएं भी लगती हैं। यदि उस भवन में कभी शादी ब्याह या कोई और कार्यक्रम हो, तो स्कूल की छुट्टी हो जाती है।

खबर की उसी श्रंखला में यह भी था कि भोपाल जिले के ही कुल 1000 स्कूलों में दसवीं कक्षा के 36 प्रतिशत बच्चे गणित में, और 38 प्रतिशत बच्चे अंग्रेजी में पास ही नहीं हो पाये थे। इस खबर में ही लिखा था कि कमोबेश ऐसी ही स्थितियां राज्य के कई जिलों और स्कूलों की है। देश के 1 लाख से अधिक 'एकल शिक्षक' स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं से लेकर विद्यार्थियों की उपास्थिति तक स्थिति बहुत चिन्ताजनक है। इन सब बातों को देखकर तो नहीं लगता कि हम अब 'वैश्विक ज्ञान शक्ति' बनने निकले हैं।

अध्ययनों से पता चला है कि हमारी इस बड़ी मुहीम में सबसे 'कमजोर कड़ी शिक्षक और उनकी उपलब्धता हैं। यहां शिक्षकों अकेले पर कोई दोषारोपण नहीं है, बल्कि उनके साथ खड़ी स्थितियां और परिस्थितियां ही ऐसी हैं। मध्यप्रदेश में गिनती के लिए भले ही' शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात 1:30 का हो, लेकिन कष्ट यह है कि गणित, विज्ञान और अंग्रेजी के तो कई जगह शिक्षक ही नहीं हैं। दूसरे विषयों के स्नातक शिक्षक इन विषयों को पढ़ा रहे हैं। धार जिले का मान्डू विश्व के पर्यटन मानचित्र पर बड़ा नाम हो सकता है, लेकिन यहां का स्कूल कई बरसों से 'अतिथि शिक्षकों' के भरोसे चल रहा है।

'नेशनल सेम्पल सर्वे ओर्गनाइजेशन' के एक सर्वेक्षण में निकल कर आया है कि हमारे यहाँ एक तिहाई शिक्षक निर्धारित योग्यता ही नहीं रखते। सरकारी प्राथमिक स्कूलों में तो यह स्थिति और भी खराब है। इनमें से 41 प्रतिशत तो स्नातक भी नहीं हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षा के मानक को विश्व स्तर तक कैसे ले जाया जा सकेगा।

'यूनेस्को' के एक अध्ययन से निकल कर आया था कि सारे देश में शिक्षकों की भारी कमी है। इसका मुख्य कारण भर्तियों नहीं होना है। यह काम तो सरकारों को ही करना है। दूसरे, शिक्षकों के कामों की जगह जो स्थितियां-परिस्थितियाँ हैं, वे भी अच्छे नये लोगों को इस पेशे से जुड़ने के लिए निरुत्साहित करती हैं। चाहते हुए भी नया आदमी यहां अपने निजी भविष्य की प्रगति देख ही नहीं पाता है।इसी के चलते 33 प्रतिशत शिक्षक पहले साल में ही यह काम छोड़ देते हैं। जबकि बचे हुये लोगों के 45 प्रतिशत लोग अगले पांच सालों में इस पेशे से विदाई ले लेते हैं। इसके बाद बचे हुए लोगों से हम अपेक्षा करते हैं कि वे विद्यार्थियों का शिक्षण, प्रेरण और उत्साहवर्धन जैसा बड़ा काम करें।भले ही शिक्षा नीति में लिखा है कि शिक्षकों पर शिक्षण गतिविधियों के अतिरिक्त या फिर उनकी विशेषज्ञता से अलग विषयों का बोझ नहीं डालना चाहिये। लेकिन, जमीन पर हक़ीक़त तो कुछ और हैं। उनसे वे सब काम आज भी कराये जा रहे हैं जो पहले भी कराये जाते थे।

शिक्षकों के जीवन पर भी सर्वेक्षण हुए हैं, और उनमें पाया गया है कि शिक्षक सरकारी स्कूल के हों, या निजी स्कूलों के, भारी तनाव (Overwhelming Stress) में जीते हैं। उनके वरिष्ठ और विद्यार्थियों के पालक उनसे अत्यधिक और बड़ी बड़ी अपेक्षाएं पाल लेते हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें अपमानित भी होना पड़ता है।

इन तमाम बातों के अलावा वे अपने वरिष्ठों, प्रबंधकों और नियंत्रण कर्ता लोगों, खासकर अफसरों के भ्रष्टाचार और उनकी बदतमीजी देखते हैं तो निराशा में टूट जाते हैं। आखिर वे भी तो मनुष्य ही हैं। विश्वास कीजिये पूरे देश में शिक्षकों के प्रोत्साहन का कोई प्रभावी कार्यक्रम नहीं है। अब हम उनसे कैसे अपेक्षा कर लें कि वे शिक्षा के मानकों को विश्व स्तर पर ले जाने में अपनी सही भूमिका निभायेंगे। जबकि 'टीम' के सदस्य के रूप में इस महान यज्ञ में सीधी सीधी पहली आहुति उन्हें ही देना है।

समाज और नीति निर्धारकों को यह समझना होगा कि अच्छे, योग्य व उत्साही (Enthusiastic) शिक्षक ही अपनी टीम को विजयी बनाएंगे। इसलिये शिक्षक तैयार करने की पहली सीढ़ी 'शिक्षा महाविद्यालयों', जो बी एड और एम एड की डिग्रीयां बेचते हैं, पर सख्त निगाह रखी जाये। वे डिग्री बेचने की दूकान न बनें। अभी भी नब्बे प्रतिशत से ज्यादा शिक्षण महाविद्यालय निजी हैं, जो दुकान की तरह चलते हैं।

न्यायमूर्ति जे एस वर्मा ने एक बार कहा था कि जिस महाविद्यालय पर सरकार ने अनियमितता के आरोप में दो साल पहले ताला लगा दिया था, उसकी दो साल बाद दी हुई डिग्री लेकर भी कुछ लोग घूमते लोग मिल गये। शिक्षकों में अपने काम के प्रति प्रेम 'टीम' की विजय का मूल मंत्र है। यह सब तभी हो सकता है जब शिक्षा का महकमा ही अपने शिक्षकों की क्षमता वृद्धि या योग्यता वृद्धि के कार्यक्रम नियमित रुप चलाये और शिक्षकों में अपनत्व (Sense Of belonging) का भाव बढ़ाने की प्रभावी योजनायें बनें व चलें। सरकारों की आदत होती है कि नई सरकार आते ही पुरानी सरकारों के अच्छे कामों को भी बक्से में बन्द कर दिया जाता है।

हमारे मध्य प्रदेश में पिछली सरकार ने एक योजना बनाई थी कि ग्रामीण क्षेत्रों, जहां शिक्षक कम हैं, वहां विद्यालय के आस पास के प्रतिष्ठित या सेवानिवृत लोगों को भी जोड़ा जाये। उनके अनुभवों और ज्ञान का लाभ लिया जाये। इसी के तहत कई कलेक्टरों के कक्षाओं में जाकर पढ़ाने के फोटो भी देखे गये थे। इस योजना के बाकायेदा दस्तावेज और मार्गदर्शी पुस्तिकाएं बनी थीं। लेकिन वह योजना और उसके दस्तावेज अब कहां हैं, भगवान जाने।

नई शिक्षा नीति में लिखा है कि इसकी सफलता के लिये हमें योग्य, अकादमिक व बौद्धिक, भावनात्मक क्षमतावान, सामाजिक और चरित्रवान शिक्षक चाहिये। लेकिन, जिन सेवा शर्तों और असुरक्षा में हम अपने शिक्षकों को रखते हैं, उसमें तो यह सम्भव ही नहीं है। जहां तक सुरक्षा का सवाल है, तो जितनी असुरक्षा डाक्टरों और वकीलों को है, उतनी ही या उससे ज्यादा असुरक्षा स्कूल व कालेजों के शिक्षकों को भी है। इसलिये उनकी सुरक्षा औपचारिक रूप से कानून के दायरे में लाई जानी चाहिए।

इस लिखे हुए को पढ़ते हुए यदि आप यहां तक आ गये हैं, और स्थितियां आपकी देखी हुई हैं, तो आप ही बताएं कि किसी भी शिक्षक को सिर्फ तनखा के अलावा यहां ऐसा कौन सा प्रेरक और प्रभावी प्रोत्साहन (Motivation) है, जो वह दिल लगाकर काम करे या अपने काम से प्रेम करे।

शिक्षक दिवस विशेष

डॉ. पवन सिंह

लेखक मीडिया विभाग, जे. सी. बोस विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हैं।

कौशल और विशेषज्ञता के साथ अच्छा इंसान बनना सिखाता है 'शिक्षक'

शिक्षक जो जीवन के व्यावहारिक विषयों को बोल कर नहीं बल्कि स्वयं के उदाहरण से वैसा करके सिखाता है। शिक्षक जो बनना नहीं गढ़ना सिखाता है। शिक्षक जो केवल शिक्षा नहीं बल्कि विद्या सिखाता है। शिक्षक केवल सफ़ल होना नहीं, असफ़लता से भी रास्ता निकाल लेना सिखाता है। शिक्षक जो तर्क व कुतर्क के अंतर को समझाता है। शिक्षक जो केवल चलना नहीं, गिरकर उठना भी सिखाता है। शिक्षक जो भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होना सिखाता है। शिक्षक जिसे समाज संस्कार, नम्रता, सहानुभूति व सहानुभूति की चलती फिरती पाठशाला मानता है। कहा जाता है कि एक शिक्षक का दिमाग देश में सबसे बेहतर होता है। एक बार सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कुछ छात्रों और दोस्तों ने उनका जन्मदिवस मनाने की इच्छा ज़ाहिर कि, इसके जवाब में डॉक्टर राधाकृष्णन ने कहा कि मेरा जन्मदिन अलग से मनाने की बजाय इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए तो मुझे बहुत गर्व होगा। इस बाद से ही पूरे भारत में 5 सितंबर का दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन इस महान शिक्षाविद को हम सब याद करते हैं।

आज शिक्षक दिवस है और हममें से कोई भी ऐसा नहीं, जिसके जीवन में इस शब्द का महत्व न हो। हम आज जो कुछ भी है या हमने जो कुछ भी सिखा या जाना है उसके पीछे किसी न किसी का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग व उसे सिखाने की भूमिका रही है। इसलिए आज का दिन प्रत्येक उस व्यक्तित्व के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का व उन सीखे हुए मूल्यों के आधार पर खुशहाल समाज निर्माण में अपनी भूमिका तय करने का दिन भी है। शिक्षक यानि गुरु शब्द का तो अर्थ ही अंधकार (अज्ञान) से प्रकाश (ज्ञान) की ओर ले जाने वाला है। भारत में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का श्री गणेश भी हो चुका है। पूरी शिक्षा नीति को देखने पर ध्यान आता है कि उसके क्रियान्वयन व सफ़ल तरीके से उसे मूर्त रुप देने का अगर सीधा-सीधा किसी का नैतिक दायित्व बनता है तो वह शिक्षक का ही है। वर्तमान के आधार को मजबूत करते हुए, भविष्य के आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को चरितार्थ करने व भारत को आगे बढ़ाने के सपनों को अपनी आँखों में भर कर निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा व भाव जागरण का आधार भी शिक्षक है।

शिक्षक जो जीवन के व्यावहारिक विषयों को बोल कर नहीं बल्कि स्वयं के उदाहरण से वैसा करके सिखाता है। शिक्षक जो बनना नहीं गढ़ना सिखाता है। शिक्षक जो केवल शिक्षा नहीं बल्कि विद्या सिखाता है। शिक्षक केवल सफ़ल होना नहीं, असफ़लता से भी रास्ता निकाल लेना सिखाता है। शिक्षक जो तर्क व कुतर्क के अंतर को समझाता है। शिक्षक जो केवल चलना नहीं, गिरकर उठना भी सिखाता है। शिक्षक जो भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होना सिखाता है। शिक्षक जिसे समाज संस्कार, नम्रता, सहानुभूति व सहानुभूति की चलती फिरती पाठशाला मानता है। कहा जाता है कि एक शिक्षक का दिमाग देश में सबसे बेहतर होता है। एक बार सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कुछ छात्रों और दोस्तों ने उनका जन्मदिवस मनाने की इच्छा ज़ाहिर कि, इसके जवाब में डॉक्टर राधाकृष्णन ने कहा कि मेरा जन्मदिन अलग से मनाने की बजाय इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए तो मुझे बहुत गर्व होगा। इस बाद से ही पूरे भारत में 5 सितंबर का दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन इस महान शिक्षाविद को हम सब याद करते हैं।

डॉ. राधाकृष्णन ने 12 साल की उम्र में ही बाइबिल और स्वामी विवेकानंद के दर्शन का अध्ययन कर लिया था। उन्होंने दर्शन शास्त्र से एम.ए. किया और 1916 में मद्रास रेजीडेंसी कॉलेज में सहायक अध्यापक के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। उन्होंने 40 वर्षों तक शिक्षक के रूप में काम किया। वह 1931 से 1936 तक आंध्र विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। इसके बाद 1936 से 1952 तक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के पद पर रहे और 1939 से 1948 तक वह काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर आसीन रहे। उन्होंने भारतीय संस्कृति का गहन अध्ययन किया। साल 1952 में उन्हें भारत का प्रथम उपराष्ट्रपति बनाया गया और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति बनने से पहले 1953 से 1962 तक वह दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। इसी बीच 1954 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें 'भारत रत्न' की उपाधि से सम्मानित किया। डॉ. राधाकृष्णन को ब्रिटिश शासनकाल में 'सर' की उपाधि भी दी गई थी। इसके अलावा 1961 में इन्हें जर्मनी के पुस्तक प्रकाशन द्वारा 'विश्व शांति पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया था। अतः हम कह सकते है कि वे जीवन भर अपने आप को शिक्षक मानते रहे और उन्होंने अपना जन्मदिन भी इसी परिपाटी का पालन करने वाले शिक्षकों के लिए समर्पित कर दिया।

डॉ. राधाकृष्णन अक्सर कहा करते थे, शिक्षा का मतलब सिर्फ जानकारी देना ही नहीं है। जानकारी का अपना महत्व है लेकिन बौद्धिक झुकाव और लोकतांत्रिक भावना का भी महत्व है, क्योंकि इन भावनाओं के साथ छात्र उत्तरदायी नागरिक बनते हैं। वे मानते थे कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा, तब तक शिक्षा को मिशन का रूप नहीं मिल पाएगा। आज शिक्षा को मिशन बनाना होगा। शिक्षा की पहुँच इस देश के अंतिम घर के अंतिम व्यक्ति तक होनी चाहिए। इसके लिए केवल शिक्षकों को ही नहीं समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। प्रत्येक वो व्यक्ति जो अपने आपको शिक्षा देने में सक्षम समझता है उसे आगे आना होगा। अपने यहाँ अधिक से अधिक मोहल्ले एवं ग्रामीण शिक्षा केंद्र संचालित करने की चुनौती को उसे स्वीकार करना होगा। ताकि समाज का कोई भी वर्ग या स्थान शिक्षा से वंचित न रहे। उसे प्रतिदिन या सप्ताह में कुछ समय शिक्षा जैसे पुनीत कार्य के लिए लगाना होगा। इस कार्य के लिए उसे अपने जैसे बहुत से लोगों को खड़ा करना होगा व इस अभियान में सहयोगी बनने के लिए उनका भाव जागृत करना होगा।

शिक्षक के नाते अब हमें शिक्षा को क्लास रूम से बाहर ले जाने की पहल करनी होगी यानि उसकी व्यावहारिकता पर ज्यादा ध्यान देना होगा। विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास को अपनी प्राथमिकता में लाना होगा। ताकि विद्यार्थी का कौशल उसके जीवन का हिस्सा बन सके और आगे उसे रोज़गार से जोड़ा जा सके। शिक्षा को फ़ॉर्मल एजुकेशन के साथ-साथ अनौपचारिक यानी इन-फ़ॉर्मल एजुकेशन बनाने की ओर भी अब हमें अपने प्रयासों को अधिक गति से बढ़ाने की आवश्यकता है। कोविड ने हमें आज इस विषय की ओर देखने की दृष्टि भी दी है ताकि भविष्य में किसी विकट परिस्थिति व आर्थिक संकट के समय स्व-रोज़गार के आधार पर हम आत्मनिर्भरता की भावना के साथ उस परिस्थिति का सामना कर सके।

तो आईये, आज शिक्षक दिवस के दिन इन सभी बातों का पुनः स्मरण कर, अपने हौंसलों की उड़ान को ओर बढ़ाते है। शिक्षक के दायित्वबोध को और अधिक संकल्प के साथ निभाते है। डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली के जीवन के विभिन्न प्रेरक पहलुओं से सीख ले,प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा को ले जाने के अपने प्रयास को गति देते है। मैं से प्रारंभ कर इस शिक्षा रुपी अलख को लाखों - लाखों का सपना बनाते हैं। वास्तव में शिक्षक होने के नाते आज शिक्षक दिवस के दिन डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली के प्रति व अपने आदर्श प्रेरणादायी शिक्षकों के प्रति यही हमारी सच्ची अभिव्यक्ति व प्रेरक शक्ति होगी।

गुरु शिष्य दोनों खड़े ऑनलाइन!

कटाक्ष

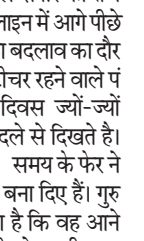

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

गुरु गोविंद गुरु गोविंद दोनों खड़े काके लागू पाय ... अब गुजरे जमाने की बात हो गई है।अब तो गुरु और शिष्य दोनों ही ऑनलाइन में खड़े हैं। और कौन किसके पैर पड़े यह अब पहली हो गई है। वास्तव में गुरु गुड़ और चेले शक्कर की तर्ज पर दोनों एक दूसरे से ऑनलाइन में आगे पीछे हैं। सचमुच में यह शिक्षा का बदलाव का दौर है। सालों तक निखालस टीचर रहने वाले पं शिवनारायण जी शिक्षक दिवस ज्यों-ज्यों निकट आता है वे बदले बदले से दिखते है। बातचीत के दौरान वे बोले समय के फेर ने किस्म किस्म के गुरु शिष्य बना दिए हैं। गुरु शब्द का ह्रास कितना हुआ है कि वह आने वाले समय में इतिहास की शोभा की वस्तु बनकर रह जाएगा। गुरु पहले शिक्षा और ज्ञान के, परपस, थे लेकिन आज मल्टीपरपस हो गए हैं।पंडित जी जब कॉलोनी के बगीचे में बात कर रहे थे तब और दो-तीन शिक्षक और एक दो शिष्य आकर बैठ गए और बोले गुरुदेव प्रणाम! इस पर वह झुंझलाए और बोले में अब कोई गुरु वुरू नहीं हूं। अब असली गुरु तो गूगल है जो बच्चों को शिक्षा दे रहा है और गुरु कक्ष के रूप में कंप्यूटर लैपटॉप और मोबाइल काम कर रहे हैं।

इस पर मास्टरी में माहिर पुराने मास्टर साहब घनश्याम जी बोले यह डिजिटल युग है। युगों से ज्ञान गुरुकुल और कक्षा से मिलता था।लेकिन गूगल ने गुरुकुल और क्लासरूम दोनों को समेट दिया है। वे बोले उन्हें भी लैपटॉप पर ऑनलाइन पढाने पर चिढ़ आई थी ,अनुभव भी नहीं था, लेकिन विभाग द्वारा बार-बार अपडेट अपडेट होने के ताने बाने के कारण वे पहले स्कूल में सूट बूट पहनकर अपडेट होकर जाते थे लेकिन अब समय के साथ खुद को अपडेट न करते हुए लैपटॉप मोबाइल को अपडेट कर रहे हैं!

इस पर वर्षों से गांव में टीचर की सेवा देने वाले मंजूर भाई बोले शिक्षकों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भव्य तरीके से प्रवेश के बाद पठन-पाठन दोनों ही बदल गए हैं। अब इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने धीरे-धीरे शिक्षकों को चुस्त दुरुस्त कर दिया है। पहले गांव में टीचर बच्चों को खेल ,गिल्ली डंडे खिलाते थे लेकिन अब गूगल गूगली फेंक रहा है।पहले से ज्यादा बालक बालिका स्मार्ट हो गए हैं,उनके कारण टीचर अभिभावक भी स्मार्ट हो गए हैं। स्कूल गुरुकुल में जिस जगह टाट पट्टी बिछती थी वह स्मार्ट क्लास हो गई है।पहले उंगली का उपयोग बच्चे लिखने में करते थे वह फिंगर टच से पढ़ाई कर रहे हैं। पहले स्कूल में सफेद चाक ,डस्टर, ब्लैक बोर्ड होता था। उस ब्लैक एंड व्हाइट शिक्षा पद्धति को बदलकर व्हाइट बोर्ड टच स्क्रीन लगा दिया गया है। अब चाक की जगह फिंगर ने ले ली है वडस्टर की जगह माउस चलता है ।इस पर वहा बैठा होनहार शिष्य बोला पहले गुरु जी का समाज में सम्मान होता था, अब हम आखिर सम्मान करें तो किसका करें! कंप्यूटर का करें कि लैपटॉप का करें ,कि गूगल का करें या यूट्यूब का करें ! हम पहले स्कूल जाने के लिए बस्ता किताबें ले जाते थे। अब तो बस्ते की जगह मोबाइल,लैपटॉप किताबों की जगह ई किताबें और लाइब्रेरी की जगह ई लाइब्रेरी इतराती हुई दिखती है। इस पर शिक्षकों की व्यथा सुनकर वहां पर मौजूद सभी लोगों ने विचार किया कि अब गुरुजी तो हाइटेक, डिजिटल हो गए हैं। गुरु और शिष्य दोनों ऑनलाइन होकर शिक्षा के अध्ययन अध्यापन के लिए लाइन में खड़े हैं। लेकिन उद्घाटन, शुभारंभ फीता काटना तो ऑनलाइन हो सकता है । लेकिन ऑफलाइन शिक्षा के युग के समापन को देखते हुए आफ लाइन शिक्षा दे दे कर ऑनलाइन की कतार में शिक्षकों को खड़ा होने के कारण शिक्षकों का सम्मान तो शिक्षक दिवस पर बनता है। लेकिन जब पूरी तरह शिक्षक ऑनलाइन हो जाएंगे तब डिजिटल गुरु का सम्मान घर बैठ कर देंगे ।इस तरह गुरु और शिष्य दोनों के ऑनलाइन की कतार में खड़े रहने से दोनों ऑनलाइन में किसे आगे और पीछे देखे यह बदलता समय ही बताएगा।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

वाह शिक्षक दिवस बाकी दिन वह विवश

हमारे देश में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। जिसमें शिक्षकों का सम्मान किया जाता है। प्राइवेट स्कूल में कुछ ज्यादा ही सम्मान किया जाता है, इसलिए वेतन कम दिया जाता है।गुरु-शिष्य परम्परा प्राइवेट स्कूलों में संवृद्ध रही है। वैसे कुछ स्कूल मंदिर किस्म के होते हैं। जिसमें शिक्षक प्रवचन देते हुये पाये जाते हैं, तो कुछ शिक्षक घनघोर लेक्चर देते हुए। वैसे शिक्षक भी कभी छात्र था, तब उसके पास खाली दिमाग़ मात्र था। दिमाग़ में ज्ञान का मात्रा बढ़ा और पढ़ाने की यात्रा शुरू किया।

वैसे शिक्षक चाहे सरकारी स्कूल वाला हो, या प्राइवेट स्कूल वाला, उनका सम्मान करना है। आज के किशोर छात्रों को कोई भी बात शिक्षक की बुरी लगी तो बाहर उनका सम्मान करने का मंच तैयार। चाहे लत्तम -गुस्सम से ही क्यों न? फूल -माला आध्यात्मिक गुरुओं के लिए है। शायद स्कूली शिक्षकों को वर्जित है। उन्हें सम्मान बस जबानी अर्जित है। जबकि आध्यात्मिक गुरु आदर के साथ पैसा भी खूब अर्जित करते हैं। सरकारी शिक्षकों का वेतन से शिक्षक दिवस है क्योंकि उनके अपने बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ पाते हैं।

आदमी सांप को भी आदर से दूध पिलाता है और भेंट हो जाए तो लाठी से उसका प्राण हर लेता है। उसे प्रबंधन भी सम्मानित करता है और बाद में सैलरी के लिए किचकिच करता है। प्राइवेट स्कूल मोटी फीस में भी पता नहीं किस हिसाब से घाटे में रहता है। शिक्षक को यह घाटा सहना होता है। बस की किश्त भरनी है तो प्रबंधक को चिंता नहीं बल्कि शिक्षक को है। भई! सैलरी शिक्षक कैसे ले सकता है? उसका भी तो हिस्सा है। वह बेगैरत तो है नहीं। वह स्कूल परिवार का अभिन्न सदस्य है। जब सदस्य है तो अपने गुजारे से

ज्यादा स्कूल की गुजारे के बारे में सोचना उसकी नैतिक जिम्मेदारी है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर स्कूल के आर्थिक बोझ को भी अपने कंधे पर ढोता है।

शिक्षक दिवस पर भी शिक्षक विवश ही रहता है। वह सम्मान से अविभूत होकर आगे स्कूल को बढ़ाता है। फिर अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करता रहता है। प्राइवेट संस्थान में रहकर बदले में उसको मिलता बाबा जी का ठुल्लू। जितना कम वेतन पर वह पढ़ाता है। मजदूर भी मजदूरी करके डबल पाता है। स्कूल एक मंदिर है। यहाँ गलत किसी के साथ नहीं होता। ईमानदारी से काम करना होता है।

लेकिन सम्मान तो करना ही चाहिए शिक्षक की। सभी स्कूल के शिक्षक की। पेन डायरी देकर कर दिया। शिक्षक धीरे से क्या मुस्कुराये। बोले स्कूल की ही सेवा में लगे हैं। आज भी स्कूल का ही काम कर रहे हैं। प्राइवेट शिक्षक वेतन नाम का लेते हैं, लेकिन कमाई खूब प्राइवेट स्कूल कर रहे हैं। शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह फिर भी निजी शिक्षक कितना विवश? एक दिन से अभिभूत है, लेकिन बाकि दिन तो वह दाल-रोटी की चिंता के वश में है। वाह! शिक्षक दिवस बाकि दिन वह विवश...!

शिक्षक ही एक प्रकाश की तरह

संसार में किसी भी जगह शिक्षा का महत्व अत्यधिक माना गया है। शिक्षा के बिना मानव जीवन ठीक उसी प्रकार है,'जिस तरह पानी के बिना मछली का होना'! हमारे देश में हमें यही सिखाया जाता है,सही शिक्षा से चरित्र निर्माण,चरित्र निर्माण से समाज का निर्माण और समाज से देश का निर्माण होता है। बच्चे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होते हैं,उनकी शिक्षा का सही विकास ही राष्ट्र की प्रगति का आधार होता है। वर्तमान शैक्षणिक स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है,कि अब वास्तविक शिक्षा चरित्र निर्माण के बजाय सिर्फ डिग्रियों में सिमट कर रह गई है। शिक्षा की दशा और दिशा के बारे में यदि विचार किया जाए तो उसे 'लक्ष्य रहित शिक्षा और अनुशासनहीन होते छात्र' की संज्ञा से हम संबोधित कर सकते हैं।

शिक्षक दिवस विशेष

अमित राव पवार

लेखक स्तंभकार हैं।

देश अमृतकाल का उत्सव मना रहा है। हम भारतीयों के लिए विश्व पटल पर यह गर्व की बात है, कि इतने सालों में हम धरती से अंतरिक्ष और अब चांद पर पहुंच गए हैं। परंतु आज भी देश के लोग कुछ मूलभूत सुविधाओं से निरंतर जूझ रहे। सरकारें लगातार अपनी कोशिश कर रही है। पर ढांचा ज्यों का त्यों बना हुआ नजर आता है। सुधार कुछ हद तक दिखाई तो दे रहा,पर ज्यादा कुछ नहीं। मूलभूत आवश्यकताओं में एक शिक्षा भी है। शिक्षा जीवन की उन्नति का आधार होने के साथ ही शिक्षा से हमारा जीवन सरल तथा आसान हो जाता है। शिक्षा से व्यक्तित्व में निखार आता है। और ये निखार लाने का काम जो करता है,वह शिक्षक की भूमिका में होता है। परिवार में जिस प्रकार मुखिया की भूमिका मानी गई है। ठीक इसी तरह शिक्षक की भूमिका भी अपने संस्थान के प्रति अतिसंवेदनशील मानी जाती है। उनके व्यवहार, आचरण,अनुसरण तथा शिक्षा के अध्यापन से ही देश का भविष्य तय होता है।

संसार में किसी भी जगह शिक्षा का महत्व अत्यधिक माना गया है। शिक्षा के बिना मानव जीवन ठीक उसी प्रकार है,'जिस तरह पानी के बिना मछली का होना'! हमारे देश में हमें यही सिखाया जाता है,सही शिक्षा से चरित्र निर्माण,चरित्र निर्माण से समाज का निर्माण और समाज से देश का निर्माण होता है। बच्चे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होते हैं,उनकी शिक्षा का सही विकास ही राष्ट्र की प्रगति का आधार होता है। वर्तमान शैक्षणिक स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है,कि अब वास्तविक शिक्षा चरित्र निर्माण के बजाय सिर्फ डिग्रियों में सिमट कर रह गई है।शिक्षा की दशा और दिशा के बारे में यदि विचार किया जाए तो उसे 'लक्ष्य रहित शिक्षा औरअनुशासनहीन होते छात्र' की संज्ञा से हम संबोधित कर सकते हैं। सोचने का विषय यह है,कि जिस देश की कुल जनसंख्या में युवाओं का प्रतिशत ज्यादा हो? उनका शैक्षणिक स्तर क्या होगा भावी पीढ़ी को हम कैसे आदर्श शिक्षक दे पाएंगे कैसे विद्यार्थी तैयार होंगे! सबसे बड़े दुख की बात यह कि अंधकार से उजाले की ओर ले जाने वाला शिक्षक भी आज कुछ हद तक भटक गया है। ऐसी स्थिति में कि पूरा अंधकार छा जाए इसके पहले हमें संस्कारित शिक्षा या चरित्र निर्माण की शिक्षा व्यवस्था समुचित ढंग से करनी होगी। सरकार को इस और महत्वपूर्ण कदम उठाकर ठोस निर्णय की आवश्यकता है! क्योंकि व्यवस्था परिवर्तन से ही यह संभव हो सकता है। कहते हैं कि धन हानि हो जाए तो कुछ हानि नहीं, शारीरिक हानि हो जाए तो कुछ हो गया,पर चरित्र खो जाए तो समझो सब कुछ खो गया।

पश्चिमी प्रभाव से प्रभावित हमारी वर्तमान शिक्षा को चरित्र हीनता की दहलीज पर पहुंचा दिया है। फैशन के इस दौर में भारतीय संस्कृति के साथ हम खिलवाड़ देख रहे। इस स्थिति में अब शिक्षक ही एक रोशनी की तरह हमारे सामने दिखाई पड़ता है। जो अपने शैक्षणिक स्तर से एक शिक्षक के नाते सुव्यवस्थित शिक्षा का कार्य संभव कर सकता है। शिक्षक की एक आवाज से हजारों विद्यार्थी,समाज के लोग प्रभावित होते है। ये बात शिक्षक वर्ग को समझना होगी। तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करना ही होगी।

प्राचीन काल में गुरुजन विद्या का दान करते थे,अब शिक्षक ज्ञान का विक्रय करते नजर आते हैं। शिक्षक कार्य को जिम्मेदारी से नहीं अपितु प्रोफेशनल मानकर अपनाते हैं। इस वजह से शिक्षक को आज समाज में वह सम्मान प्राप्त नहीं हो पाता जो प्राचीन भारत के गुरुजनों को स्थान प्राप्त था। यह बात अलग है,कि कुछ शिक्षक आज भी ऐसे हैं,जो शैक्षणिक कार्य को प्रोफेशन या व्यवसाय नहीं मानते,बल्कि अपना दायित्व-जिम्मेदारी,कर्तव्य, जवाबदारी मानकर ज्ञान का दान कर रहे हैं,जो आज भी विद्यार्थी वर्ग और समाज में परम आदरणीय है। लेकिन ऐसे शिक्षक कम मात्रा में ही हमें दिखाई पड़ते हैं। शिक्षक और विद्यार्थियों का संबंध युगों-युगों से चला आ रहा है! दोनों को ही एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए! इसका सबसे बड़ा उदाहरण आचार्य चाणक्य व उनके विद्यार्थी चंद्रगुप्त मौर्य से हम सीख सकते हैं। दूसरी तरफ हम देखते हैं तो शासन की जो नीति-रीति लागू होती है,उसमें शिक्षकों को ही झोंक दिया जाता है! जिससे अध्ययन प्रभावित हो जाता है। गुरु अर्थात् जो ज्ञान देता है,जो शिक्षित और मजबूत बनाता है,जो जीवन को जीने का तरीका बताता है। हमारे जीवन से जुड़ा हर एक व्यक्ति जो हमारे जीवन पर सुंदर प्रभाव डालता है। शिक्षक दिवस उन्ही सब लोगों को समर्पित दिन है। 05 सितंबर 1888 देश के दूसरे राष्ट्रपति और प्रथम उपराष्ट्रपति एवं शिक्षाविद सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म के अवसर पर इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। जो मद्रास वर्तमान में (चेन्नई) जिले के तिरुत्तनी गांव में जन्मे तथा एक शिक्षक से लेकर कुलपति और देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति तक रहे,'उन्होंने कहा था-कि शिक्षक ही बालक के निर्माण जो की 'चरित्र हो या मानसिक के लिए जवाबदार रहता है' किताब और ज्ञान ऐसी चीज हैं,जो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच मजबूत बांध बनाने का काम करती है'5 सितंबर का दिन शिक्षकों को अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देने वाला दिन।

राष्ट्र का सजग प्रहरी और मार्गदृष्टा हैं, शिक्षक

शिक्षक दिवस विशेष

नलिन खोईवाल, इंदौर

लेखक स्तंभकार हैं।

शिक्षक,राष्ट्र का सजग प्रहरी,मार्गदृष्टा और भविष्य निर्माता भी है। शिक्षक माटी को मनचाहा आकार देकर सुंदर घड़ों का निर्माण करते हैं, यानि देश का भविष्य गढ़ते हैं। शिक्षक उस मोमबत्ती के समान है जो खुद जलकर के दूसरों को प्रकाश देती है। शिक्षक हमें अंधेरे से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। राष्ट्र का सजग प्रहरी और मार्गदृष्टा भी है, शिक्षक। दुनिया का कितना ही सामर्थ्यवान व्यक्ति क्यों न हो वह गुरु की शिक्षा का ऋणी है । बच्चे की पहली पाठशाला माँ होती है किंतु शिक्षक तो बच्चे के सम्पूर्ण जीवन की पाठशाला है । शिक्षक राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली है । वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींचकर महाप्राण शक्तियों का निर्माण करते हैं । फूल में यदि खुशबू होगी तो वह सहज ही वातावरण को सुगंधित करेंगी । बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने के लिए माता को भक्त,पिता को योगी और आचार्य को ज्ञानी होना चाहिए ।

गुरुर्ब्रह्मा,गुरुर्विष्णु,गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात परंब्रम्ह तस्मै श्रीगुरुवे नमः ।।

शिक्षक शब्द को परिभाषित नहीं किया जा सकता और न ही शब्दों के तरकश में रखा जा सकता है। शिक्षक शब्द में सम्पूर्ण ब्रह्मांड समाया है। इसकी व्याख्या करना यानि सूरज को दीपक बताने के समान है । शिक्षक वह जो शिष्ट हो,मिष्ट हो और अभिष्ट हो । क्षमाशील हो और कर्मशील भी हो। शिक्षक वो ही है जो विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य

का मार्ग नहीं छोड़ता है । उसे नेकदिल, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ,लगनशील,गम्भीर चिंतक, सुयोग्य, सामर्थ्यवान ,निपुण, कुशल, स्वस्थ, हष्टपुष्ट, ज्ञान का धनी, समृद्धशाली, क्रांतिकारी, दृढ़संकल्पित, धुन का पक्का, जिम्मेदार और धैर्यवान होना चाहिए। उसका व्यक्तिव आकर्षक और प्रभावशाली होना चाहिए। शिखर तक पहुँचाने वाला और शिष्य की कमजोरियों को दूर करने वाला ही सच्चा शिक्षक है। शिक्षा का ध्येय चरित्र निर्माण कर संस्कारिक बनाना है । शिक्षक हमें सिखाते हैं कि, अपनी धरती अपना आकाश पैदा कर,हर सांस में नया विश्वास पैदा कर,मांगने से कब मिलती है मदद,अपनी मेहनत से नया इतिहास पैदा कर ।

कृष्ण सा आदर्श गुरु और एकलव्य सा शिष्य न हुआ है और न होगा। लेकिन आज के बदलते परिवेश में गुरु-शिष्य के पाकीज़गी भरे रिश्तों में कड़ुवाहट घुल गई है। मर्यादा और नैतिकता का पालन ही शिक्षा की मजबूत आधारशिला है। जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करें,जो हमें धन का गुलाम बनाएं,जो हमें भोग विलास में डुबोएं,जो हमें दूसरों के विनाश का पाठ पढ़ाएं , वह शिक्षा, शिक्षा नहीं,भ्रष्टता है। ग्लोबलाइजेशन के इस युग में आज बच्चों को नैतिक और रोजगारमूलक शिक्षा की अधिक आवश्यकता है। शिक्षा को बोझमुक्त कर कर्मयुक्त बनाना ज्यादा श्रेयष्कर है।

गुरु गोविंद दोउ खड़े काके लागू पाय।
बलिहारी गुरुदेव की, गोविंद दियो बताय।।

भगवान तो केवल रास्ता बताता है किंतु गुरु सम्पूर्ण जीवन संवारता है। गुरु भगवान से भी बढ़कर है। जिसमें ब्रह्मा,विष्णु,महेश समाए है और तीनों लोकों का तेजस्व जिनके चेहरे को दैदीप्यमान करता है, वो शिक्षक है। शिक्षक वह जौहरी है जो पत्थरों को तराश कर बहुमूल्य कोहिनूर हीरे का निर्माण-सृजन करता है। शिक्षक एक योद्धा है, क्रांतिकारी है,रचनाधर्मी है,सृजनकर्मी है,एक संत भी है,एक कुशल और चतुर राजनीतिज्ञ भी है ,एक समाजसेवक भी है और एक राष्ट्रभक्त भी है सच्चा शिक्षक।

समर में घाव खाता है उसी का मान होता है ।
छिपा उस वेदना में अमर बलिदान होता है ।।
सृजन में चोट खाता है छैनी और हथौड़ी से ।।।
वहीं पाषाण मंदिर में कहीं भगवान होता है ।।।।

विद्यार्थी के प्रति समर्पित शिक्षक ही श्रेष्ठ है

शिक्षक दिवस विशेष

महेश सोनी,देवास

राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षक

शिक्षक हमारे जीवन का एक ऐसा शब्द है जिसके बिना हम जीवन की संपूर्णता को प्राप्त नहीं कर सकते। मानव जीवन के प्रारंभ से लेकर आज तक शिक्षक की अग्रणी भूमिका रही है। शिक्षक व्यक्ति को उसकी योग्यता में सुधार करते हुए समाज और देश के लिए तैयार करता है। हर युग में शिक्षक का सर्वोच्च स्थान था और हमेशा रहेगा। शिक्षक के बिना हम जीवन की सार्थकता को प्राप्त नहीं कर सकते। शिक्षक केवल एक नौकरी या व्यवसाय नहीं है बल्कि एक मिशन है जिसके द्वारा मानव अपनी चरम उन्नति प्राप्त करता है। स्कूल के प्रारंभ से लेकर शिक्षा की पूर्णता तक हमें अनेक शिक्षक शिक्षा देते हैं और उन सभी के सामूहिक प्रयास से एक उच्च कोटि का व्यक्ति तैयार होता है, जो प्राप्त शिक्षा को अपने लिए, परिवार के लिए, समाज और देश के लिए उपयोग करता है। वर्तमान आधुनिक तकनीकी एवं संचार के युग में ज्ञान के अनेक स्त्रोत उपलब्ध है लेकिन शिक्षक का महत्व आज भी उतना ही है जितना प्रारंभिक काल में था। शिक्षक के सामने बैठकर शिक्षा ग्रहण करने में जो आनंद की प्राप्ति होती है वह इन आधुनिक साधनों से नहीं मिलती। शिक्षा का महत्व वही व्यक्ति समझ सकता है जिसने अपने शिक्षक से स्कूल में कॉलेज में शिक्षा ग्रहण की हो।देश,काल, परिस्थिति के अनुसार शिक्षक की भूमिका में बहुत महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं लेकिन आज भी उसी शिक्षक को मान सम्मान मिलता है जो समर्पित भावना से विद्यार्थी को पढ़ाता है।

आधुनिक दूरसंचार तकनीकी के दौर में शिक्षक का आज भी उतना ही महत्व है जितना गुरुकुल प्रणाली के समय था । वहीं शिक्षक विद्यार्थी के लिए आदर्श बनता है जो समर्पित भावना से उनको शिक्षा देता है। शिक्षक को चाहिए कि वह अपने पास उपलब्ध साधनों का प्रयोग अधिक से अधिक बच्चों के हित में करें ।जो भी स्वयं से हो सके उनके लिए संसाधन जुटाये।शिक्षक समाज का महत्वपूर्ण अंग है और उसके द्वारा किए गए कार्य का संपूर्ण समाज पर महत्वपूर्ण असर पड़ता है । इसलिए प्रत्येक शिक्षक को अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छे ढंग से निभाना चाहिए। शिक्षक निजी अथवा शासकीय संस्था में कार्यरत हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। महत्वपूर्ण यह है कि वह अपनी जिम्मेदारी कितने अच्छे ढंग से निभा पाता है। जिस संस्था में भी शिक्षक कार्य करें उसे संस्था के प्रति एवम विद्यार्थी के प्रति समर्पित रहे तो श्रेष्ठ परिणाम मिलते हैं। शिक्षक दिवस के इस पावन पर सभी गुरुजनों को जिन्होंने समाज के इस श्रेष्ठतम कार्य अध्यापन को अपने लिए चुना है बहुत-बहुत शुभकामनाएं बहुत-बहुत बधाई।

भारतीय संस्कृति के संवाहक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शिक्षक दिवस विशेष

शिवकुमार शर्मा

लेखक प्रशासनिक अधिकारी हैं।

भारत रत्न डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान विचारक, दार्शनिक, शिक्षाविद् होने के साथ-साथ भारतीय संस्कृतिके संवाहक थे। उन्होंने दर्शनशास्त्र का गहनअध्ययन किया। उन्होंने भारतवासियों को अपनी संस्कृति से पुनर्परिचित कराया तथा भारतीय संस्कृति एवं दर्शन की अद्वितीय विशेषताओं को विश्व पटल पर प्रसारित कर भारतीय संस्कृति का परचम लहराया। वे महान शिक्षक,भारतीय संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के उद्गाता तथा शिक्षा और मानवता को महत्व देने वाले मनीषी थे। उनका मानना था कि समूचा विश्व एक विद्यालय है। शिक्षा के द्वारा मानव मस्तिष्क का सदुपयोग किया जा सकता है।अतः विश्व को एक ही इकाई मानकर शिक्षा का प्रबंध करना चाहिए ।उनका यह दृढ़ मत था कि 'मानव को एक होना चाहिए मानव इतिहास का संपूर्ण लक्ष्य मानव जाति की मुक्ति है'।

भारत के दूसरे राष्ट्रपति बनने के बाद उनके जन्मदिवस को भव्य रूप में आयोजित करने के शुभचिंतकों के प्रस्ताव को उन्होंने दृष्टि आकर्षक उपभोग मानते हुए तथा सादगी केअनुकूल न होने से आयोजन की अनुमति नहीं दी,अंततः उनकी सहमति पश्चात 5 सितम्बर जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाना आरम्भ किया गया। शिक्षकों का सम्मान राष्ट्र के लिए गौरव का विषय है।

उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी के अंतर्गत चित्तूर जिले के तिरुत्तनी गांव के ब्राह्मण परिवार में सर्वपल्ली वीरास्वामी और सीताम्मा के यहां हुआ था। वर्तमान में यह गांव तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के अन्तर्गत आता है। इनके पूर्वज आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के सर्वपल्ली गांव के रहने वाले थे ।इनका परिवार सर्वपल्ली से तिरुत्तनी आकर बस गया था इसलिए उनके परिजन अपने नाम के पहले 'सर्वपल्ली' लिखते थे। उनका विवाह 1903 शिवाकामू देवी के साथ हुआ। उनकी पांच संताने हुईं चार पुत्रियां तथा एक पुत्र।परिवार में धनाभाव था। प्रारंभिक धार्मिक शिक्षा तिरुपति तथा विद्यालय शिक्षा हरमंसवर्ग इवेंजीकल लूथरन मिशन स्कूल में हुई। सन 1900 में भी अपने चाचा के पास बैलूर आ गए जहां एलिजाबेथ रोडमन वूरही कॉलेज में प्रवेश लिया यह कॉलेज अमेरिकन एरॉट मिशन ऑफ द रिफार्म्स चर्च द्वारा संचालित था जहां वे ईसाई मिशनरीज के कार्यों से भली भांति समझने का मौका मिला। 1904 ई. में इंटरमीडिएट परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने के पश्चात मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज में प्रवेश लिया,स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की। दर्शन में विशेष रुचि होने से गहन अध्ययन शुरू हो गया। प्रो.ए.जी.हॉग ने हिंदू धर्म दर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि 'हिंदू दर्शन कमियों का संग्रह है इसे विश्व का सर्वश्रेष्ठ दर्शन नहीं कहा जा सकता' प्रो. राधाकृष्णन को उनके विचारों ने विचलित कर दिया उन्होंने वेदांत और हिंदू धर्म की आलोचना अंतर मन से अस्वीकार की और अपने विचारों को प्रकट करने के पूर्व स्वयं एक समीक्षक की दृष्टि से हिंदू धर्म और दर्शन का गहन अध्ययन कर 'विद एथिक्स ऑफ़ द वेदांत एंड इट्स मैटेफिजिकल प्रीपोजिशंस' नामक शोध ग्रंथ तैयार कर महाविद्यालय के संचालकों के समक्ष प्रस्तुत किया उन्होंने अपने शोध पत्र में पश्चिमी दर्शन की आलोचना करते हुए ईसा मसीह द्वारा स्थापित कुछ सिद्धांतों को पूर्ण रूप से नकार दिया। उन दिनों ईसाई मिशनरियों का बोलवाला था ऐसे समय में शोध पत्र को प्रस्तुत करना साहस का कार्य था।सुलझे हुए विचारों के विद्वान प्रो. हॉग डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिभा से अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होंने भारतीय संस्कृति और दर्शन पर अनेक पुस्तक लिखी लंबे समय तक शिक्षण कार्य किया।

उन्हें प्रथम भारतीय राजदूत प्रथम भारतीय उपराष्ट्रपति (1952) और भारत के राष्ट्रपति1962) पद को सुशोभित होने का गौरव प्राप्त है। उन्हें 1954 में 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। कई देशी और विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा उन्हें डॉक्टरेट, डॉक्टरेट ऑफ लिटरेचर,डॉक्टरेट ऑफ़ लॉ की उपाधि एवं विविध सम्मानों से विभूषित किया गया। उनकी शिक्षाएं भारतीय संस्कृति के जिज्ञासुओं के लिए प्राण पूर्ति का कार्य करती है।वे सच्चे शिक्षक व विराट भारतीय व्यक्तित्व के रूप में भारत वासियों हृदय में सदैव विराजमान रहेंगे।

'शिक्षा का लक्ष्य भयमुक्त समाज का निर्माण करना है'

शिक्षक दिवस

चित्रा माली

आज शिक्षक दिवस है तो अनायास ही मुझे एक फिल्म याद आ गई जो अक्टूबर 2023 में रिलीज हुई थी । फिल्म का नाम 'सजनी शिंदे का वायरल वीडियो' है जिसमें नायिका पेशे से पुणे के एक प्रतिष्ठित स्कूल में भौतिकी की अच्छी शिक्षिका है । नायिका अपना जन्मदिन मनाने दोस्तों के साथ सिंगापुर जाती है और वहां का एक निजी वीडियो (डांस करते हुए) स्कूल की वेबसाइट पर गलती से अन्य शिक्षिका के माध्यम से अपलोड हो जाता है और अपलोड होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है और उसी क्षण से सजनी की पूरी दुनिया बदल जाती है। स्कूल प्रशासन, अन्य शिक्षक साथी,बच्चों के अभिभावक, आस पड़ोस के लोग,रिश्तेदार, दोस्त यहां तक की परिजन भी दूरी बना लेते हैं । क्योंकि हमारे यहां लोग कपड़ो से,बालों से,खाने पीने की वस्तुओं से और अगर किसी लड़की का कोई पुरुष मित्र है तो उसके आधार पर उसको और उसके चरित्र को जज करते हैं। भारतीय समाज में खासतौर पर महिलाओं के लिए एक छवि का निर्माण किया गया है और उसी के इर्दगिर्द हम महिला डॉक्टर, प्रोफेसर,शिक्षक,इंजीनियर,

नायिका और अन्य प्रोफेशन में कार्यरत महिलाओं को देखते हैं। समाज द्वारा इन महिलाओं के लिए आचरण और नैतिकता के संबंध में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं । इसके इतर अगर कोई आचरण करता है तो वह उस व्यवस्था का हिस्सा नहीं हो सकता है । खासकर जब महिला शिक्षकों की बात आती है तो चाहे वह स्कूल,कॉलेज या यूनिवर्सिटी में शिक्षक हो उसका परिधान महत्वपूर्ण हो जाता है और कई स्कूल और कॉलेजों में तो शिक्षिकाओं के लिए साड़ी पहनकर आना अनिवार्य किया गया है बजाए यह जाने की वह महिला किस परिधान में कंफर्टेबल है । इसके साथ ही यह प्रश्न उपस्थित होता है कि हमारे लिए किसी भी व्यक्ति का व्यक्तिगत जीवन और उसकी गतिविधियां आवश्यक है कि उसकी काबिलियत,पढ़ाने की योग्यता? हम सभी प्रोफेशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ को एक ही फ्रेम से दखने के आदी हैं जबकि इनको अलगाकर देखा जाना चाहिए । हमारे लिए कोई भी चीज/बात या तो अच्छी है या बुरी यही हमारे माइंड की सेटिंग में फीड है । इसके अतिरिक्त अन्य किसी भी परिप्रेक्ष्य में हम अपनी सोच का विस्तार नहीं कर पाते हैं । हम बनी बनाई परिपाटियों या कहें साँचों पर ही चलने के अभ्यस्त हैं या कहें वहीं हमारा कंफर्ट जोन है। उसके इतर जाने में हम भय से भर जाते हैं । कमाल की बात यह भी है कि हम किसी अन्य को भी नए प्रयोग करने से रोकने के लिए बहाने खोजते रहते हैं । नैतिकता का एक जबरन आवरण समाज द्वारा निर्मित किया जाता है जबकि नैतिकता की समझ स्वतः विकसित होती है और उसी से अच्छे, बुरे,सहो गलत की समझ का विकास व्यक्ति में होता है। जिससे व्यक्ति स्वानुशासित होता है और यही एक सभ्य समाज के लिए आवश्यक है। आज जब हम शिक्षक दिवस पर बात कर रहे हैं तो शिक्षा व्यवस्था और छात्रों पर बात होना भी लाजमी है क्योंकि हर कड़ी एक दूसरे से परस्पर जुड़ी हुई है । 'डी स्कूलिंग सोसायटी' इवान इलीच की सबसे मशहूर किताब है जिसमें वे वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर प्रहार करते हैं तो वह प्रहार पूरी समाज व्यवस्था पर होता है,क्योंकि शिक्षा न केवल उसका एक अनिवार्य अंग है, बल्कि उसी के माध्यम से वर्तमान व्यवस्था अपने को बनाए रखने की कोशिश करती है । इलीच कहते है कि औद्योगीकरण की प्रक्रिया ने जिस प्रकार से प्रत्येक वस्तु को एक उद्योग बना दिया है उसी प्रकार शिक्षा को भी एक उद्योग बना दिया है और इसीलिए ज्ञान भी एक जिंस एक कमोडिटी हो गया है । शिक्षा के एक जिंस में परिवर्तित हो जाने पर वह अपने उपभोक्ताओं (छात्रों) की संख्या पर निर्भर हो जाती है इस पर नहीं कि वह क्या प्रदान कर रही है बिना इस पर सोच विचार किए कि जो शिक्षा प्रदान की जा रही है उससे कहीं उपभोक्ताओं (छात्रों) की सीखने की सहजवृत्ति को ही तो दमित और समाप्त नहीं किया जा रहा है । वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में से अगर अनिवार्य उपस्थिति और प्रमाण पत्रों को निकाल दिया जाए तो यह व्यवस्था इस बात की कतई चिंता नहीं करती कि छात्र क्या और कैसे सीखना चाहते हैं जबकि शिक्षा के केंद्र में छात्र और शिक्षक होने चाहिए । छात्रों की पसंद,नापसंद आवश्यकता उनकी जरूरतों पर इस व्यवस्था में कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है । इस व्यवस्था का लक्ष्य उसे एक विशाल औद्योगिक समाज तंत्र का एक छोटा-सा पुर्जा बना देना हो गया है । इलीच कहते है कि इसी कारण ज्ञान को भी इतना अधिक जटिल और दुरूह बना दिया गया है कि वह धीरे-धीरे एक विशिष्ट वर्ग की संपत्ति होता जा रहा है । यह व्यवस्था आर्थिक आधार पर वर्ग भेद की अवधारणा को भी पुनः मजबूती प्रदान करती है जिसमें अच्छी शिक्षा के लिए अच्छा मूल्य चुकाना होता है। सामान्य व्यक्ति इस व्यवस्था में अपने आप को बौना और असहाय महसूस करने लगते है । यदि छात्रों में किसी भी चीज को बिना समझे ही मान लेने की प्रवृत्ति विकसित होने लगे तो यह इस शिक्षा व्यवस्था की सार्थकता है या असफलता? इस पर समाज के द्वारा विचार किया जाना आवश्यक है क्योंकि आजकल बिना तथ्यों को जाने समझे और परीक्षण किए, मान लेने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है जो हमारे लिए हमारे समाज के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो सकती है और हो भी रही है। आई. आई. टी जैसे संस्थानों में पाठ्यक्रमों का निर्माण छात्र और शिक्षक दोनों मिलकर अपनी रुचि और आवश्यकता के अनुसार प्रतिवर्ष करते हैं और मूल्यांकन की प्रक्रिया भी अन्य संस्थानों से भिन्न है जिसमें छात्रों के परफॉर्मेंस का निर्धारण विषय को सीखने और समझने के आधार पर किया जाता है। इस व्यवस्था को हर शिक्षण संस्थान में लागू करने की आवश्यकता है जो लाभकारी सिद्ध हो सकती है । हर व्यक्ति अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए किसी बेहतर उच्च शैक्षणिक संस्थान को खोजता है और उसी में उन्हें पढ़ाना चाहता है लेकिन इन उच्च शैक्षणिक संस्थानों में हो रहे फेर बदल या हिडन एजंडे के तहत किए गए परिवर्तनों के प्रति क्या वह सचेत रहते है या महज एक अच्छे संस्थान में बच्चे के एडमिशन के बाद मुक्त हो जाते हैं । शिक्षा जो हर व्यक्ति का अधिकार है क्या वह उतनी ही सहजता से सभी के लिए उपलब्ध है ? विगत वर्षों में जिस तरह से विभिन्न पाठ्यक्रमों में शुल्क वृद्धि हुई है वह सामान्य जन से शिक्षा के अधिकार को छीनने के समान है । बहरहाल शिक्षा के इन उच्च शिक्षण संस्थानों में जिनमें सरकारी और निजी दोनों संस्थान शामिल है । वर्तमान समय में यहां के शिक्षकों,यहां के पाठ्यक्रमों में,यहां के कार्यक्रमों में जिस प्रकार से हस्तक्षेप किए जा रहे हैं उन पर गम्भीर होने की आवश्यकता है । शिक्षकों को संस्थानों से निकाला जा रहा है शिक्षकों से संबंधित मसलों पर क्या हम गम्भीर हैं? क्या हमारा समाज शिक्षा या शिक्षक को लेकर गंभीर है ?

शिक्षा और शिक्षकों से जुड़ा यह मुद्दा क्या आम आवाम के लिए महत्व रखता है ? अध्यापकों पर होने वाले हमलों और विचारधारा के आधार पर शिक्षकों का वर्गीकरण कर शिक्षकों पर कार्यवाही करना और कई वरिष्ठ और देश के जाने माने शिक्षकों,प्रबुद्धों के व्याख्यानों को होने से रोक देना जैसे कार्य यूनिवर्सिटीस के साथ साथ अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी जारी है । जिस पर गम्भीरतापूर्वक विमर्श की दरकार है । अकादमिक जगत के बौद्धिकों को यह स्वतंत्रता दी जाती रही है कि वे अपना पक्ष बिना किसी भय और पक्षपात के रखें जो एक बेहतर समाज के विकास और उत्थान के लिए आवश्यक है लेकिन आलोचना और असहमतियों का जो स्पेस पूर्व में था उसका लगातार ह्रास हो रहा है या कहें उसे लगातार खत्म किया जा रहा है । ज्यां पाल सार्त्र जो फ्रांस के मशहूर बुद्धिजीवी थे जो अल्जीरिया की स्वतंत्रता का समर्थन कर रहे थे। उन्होंने तो यहां तक कह दिया था कि 'आतंकवाद गरीबों - शोषितों का परमाणु बम है' उनके इस बयान के बाद उनकी गिरफ्तारी की मांग उठने लगी । उस वक्त वहां 'द गाल' की सरकार थी उन्होंने इस मांग को खरिज करते हुए कहा कि सार्त्र को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता क्योंकि वे फ्रांस की चेतना है। हर देश की चेतना वहां के बुद्धिजीवियों से वहां के शिक्षकों से वहां की शिक्षा प्रणाली से और छात्रों से निर्धारित होती है । शिक्षा और शिक्षकों की सार्थकता ऐसे छात्रों के निर्माण करने में है जो तथ्यों को बिना जाने बिना समझे स्वीकार न करें और प्रश्न करें । प्रश्नों के माध्यम से ही सत्य के नजदीक पहुंचा जा सकता है इसलिए प्रश्न पूछने की संस्कृति को शिक्षकों द्वारा विकसित किया जाना चाहिए । समाज,शिक्षा व्यवस्था, शिक्षक और छात्र एक दूसरे से परस्पर जुड़े हुए हैं । इसलिए शिक्षकों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ,शिक्षण संस्थानों में हो रहे परिवर्तनों के प्रति समाज का दायित्व बनता है क्योंकि यहीं से अच्छे छात्र निकलते हैं और बेहतर समाज के निर्माण के लिए सचेत और जागरूक नागरिकों की आवश्यकता होती है जिससे समाज सुचारू रूप से संचालित हो सके । इसलिए इस शिक्षक दिवस पर शिक्षण संस्थाओं, शिक्षकों की समस्याओं और शिक्षा व्यवस्था पर सार्थक विमर्श किया जाए वही इस दिन की सार्थकता और उपलब्धि होगी । शिक्षक दिवस की हम सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं और बधाई क्योंकि प्रत्येक क्षण हम किसी न किसी से कुछ न कुछ सीख रहे होते हैं ।

कलेक्टर पहुंचे भीमपुर, विकासखंड भीमपुर में की 101 प्रकरणों पर सुनवाई

बैतूल। विकासखण्ड भीमपुर में मंगलवार को मंगल भवन में विकासखंड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया स जनसुनवाई में कलेक्टर जिला बैतूल द्वारा 101 आवेदनों पर ग्राम वासियों की सुनवाई की गई एवं उपस्थित विभागीय अधिकारियों को 7 दिवस में गंभीरतापूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को अवगत कराया गया कि प्रत्येक मंगलवार को विकासखण्ड स्तर पर जनसुनवाई की जा रही है जिससे बैतूल जिला स्तर पर जनसुनवाई में आकर ग्रामीणों को अनावश्यक परेशान नही होना होगा स विकासखंड स्तर पर ही अपनी समस्या का निदान करा सकेंगे। उपस्थित विकास खंड अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि ग्राम स्तरीय कार्यालय का सतत दौरा करते रहे स सभी की उपस्थिति प्रातः 10 बजे सुनिश्चित कराए स भ्रमण के दौरान निरीक्षण टीप अंकित करने के निर्देश विभागीय अधिकारी को दिए गए। इस अवसर पर शैलेन्द्र हनोतिया अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भैंसदेही, अभिषेक वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भीमपुर एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। श्री सूर्यवंशी पीएचई विभाग के अधिक आवेदन प्राप्त होने पर एकाएक सीधे मौका स्थल पर योजना का क्रियान्वयन देखने डोरी, खामापुर, आदर्श धनोरा ग्राम पहुंचे तथा नल जल से पानी प्राप्त होने की स्थिति की ग्रामीणों से चर्चा की गई स धरातल पर नल जल से ग्रामीणों को पानी प्राप्त नहीं होने तथा कार्य समय सीमा में पूर्ण नहीं होने पर पीएचई विभाग व ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई स तथा 3 दिवस में तत्काल कार्य प्रारंभ कर पूर्ण करने के निर्देश विभाग व पीएचई विभाग के उपस्थित अधिकारियों को दिए।

विभाग से संबंधित शिकायत एजेंसी - मेसर्स कोठारी इन्फ्रास्ट्रक्चर, खण्डवा के द्वारा 12 ग्रामो मे कार्य किया जा रहा है। जिसमे पलासपानी, डोरी, खामापुर, बेला, बक्का, टिटवी, बाटलाकला, देसली इन ग्रामो मे पेयजल चालू न करने पर शिकायत प्राप्त हुई जिसका कलेक्टर द्वारा तत्काल संज्ञान मे लिया गया। जिनमे कलेक्टर श्री सूर्यवंशी द्वारा ठेकेदार को फटकार लगाते हुये लो.स्वा.यां. विभाग को भी निर्देश दिये की 07 दिवस के अंदर विद्युत कार्य पूर्ण कर पेयजल प्रारंभ कराया जाए अन्यथा की स्थिति में ठेकेदार पर शासकीय कार्यवाही की जायेगी। साथ ही कृषि देशमुख एजेंसी शाहपुर के कार्य का निरीक्षण किया गया जिसके आदर्श दनोरा के नल जल योजना का कार्य 03 वर्ष से अधुरा है।

कार्य समय पर न करने से कलेक्टर सर द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई स तत्काल ट्रांसफार्मर लगाकर कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देश विभाग व पीएचई विभाग को दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी मीडिया से कहा की शिकायतें मिली थी इसलिए गांवों का भ्रमण किया गया जांच की जाएगी जिन ठेकेदारों ने योजना में शासकीय राशि का दुरुपयोग किया है उन पर कार्यवाही की जाएगी साथ ही जनसुनवाई में कुछ अटैचमेंट की शिकायत भी मिली सारे अटेचमेंट निरस्त कर दिए गए है।

तेज रफ्तार वाहन ने चीतल को कुचला हुई मौत, वनकर्मी मौके पर पहुंचे

पोस्टमार्ट्म के लिए डॉक्टर के दल को बुलाया अधिकारियों की देखरेख में हुआ अंतिम संस्कार

बैतूल। उत्तर वन मण्डल की बैतूल रेंज के बरेठा में बुधवार एक तेज रफ्तार वाहन वन्य प्राणी चीतल को कुचल दिया जिससे उसकी मौत हो गई । घटना की जानकारी मिलते ही बरेठा के डिप्टी रेंजर, नाकेदार ओर चौकीदार को लेकर घटना स्थल पर पहुंच गए थे। डिप्टी रेंजर यशवंत लिखितकर से मिली जानकारी के मुताबिक आज लगभग साढ़े चार बजे के आसपास ग्रामीणों ने सूचना दी कि शाहपुर फोरलेन पर बरेठा गांव के आगे किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने सड़क पार कर रहे चीतल को कुचल दिया जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। जानकारी मिलते ही नाकेदार ओर चौकीदार को साथ लेकर मौके पर पहुंचा और घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी जिसपर डीएफओ देवांशु शेखर ने चीतल के शव को अपने कब्जे में लेने के निर्देश के साथ ही वेटनरी डॉक्टरों से सम्पर्क कर डॉक्टरों के दल को पोस्टमार्टम के लिए बरेठा बुलवाया। श्री लिखितकर ने बताया कि डॉक्टरों के पोस्टमार्टम के बाद चीतल के शव को अधिकारियों की देख रेख में अग्नि दी जाएगी। डीएफओ देवांश शेखर ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश के प्रयास किये जा रहे है श्री शेखर ने यह भी बताया कि बरेठा का जंगल वन्य प्राणियों से समृद्ध है हालांकि इस तरह की घटना अभी तक सामने नही आई है। हम प्रयास करेंगे कि आगे वन्य प्राणियों के साथ कोई दुर्घटना न घटे।

आयुक्त ने शाहपुर विकासखंड में क्रियान्वित नल जल योजनाओं का किया औचक निरीक्षण

बैतूल। संभागायुक्त श्री केजी तिवारी ने बुधवार को शाहपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत सालीमेट के ग्रामों में पहुंचकर शासन की अति महत्वावकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री तिवारी ने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर नल जल योजना की जानकारी भी ली। आयुक्त श्री तिवारी ने ग्राम सलीमेट, चिरमाठेकरी, मानसिंग पूरा एवं धार में नल जल योजना का निरीक्षण कर पीएचई विभाग को कार्य समय सीमा में पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीणों को समय पर जलकर राशि जमा किए जाने की सलाह दी, ताकि योजना सतत चालू रहे। आयुक्त श्री तिवारी ने निरीक्षण के पश्चात संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में स्वीकृत ग्रामों की नल योजनाओं के कार्य निर्धारित समय अंतराल में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराएं। गुणवत्ता विहीन और समय पर कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध टर्मिनेट करने की कार्रवाई भी की जाए।

संदिग्ध हालत में मिला कैटरिंग वर्कर, इलाज के दौरान मौत

बैतूल। शहर के अर्जुन नगर में कैटरिंग का काम करने वाले एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक का पुलिस जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा रही है। अस्पताल पुलिस चौकी के प्रभारी सुरेंद्र वर्मा के मुताबिक हमला पुर क्षेत्र के अर्जुन नगर में रहने वाले केटरिंग वर्कर मोहन पिता सुभाष शर्मा कल घर पर अकेले थे। पत्नी बच्चे कहीं बाहर गए हुए थे। वे घर लौटे तो उन्होंने पत्नी से घबराहट की शिकायत की। इस पर पत्नी ने उन्हें इनो घोलकर पिलाया और जिला अस्पताल इलाज के लिए लेकर पहुंचे यहां उनका इलाज चल रहा था। लेकिन इस दौरान उनकी मौत हो गई। फिलहाल मौत की वजह सामने नहीं आ सकी है। पीएम के बाद ही मृत्यु का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

बुआ-भतीजी के साथ हुआ दुराचार

प्रेमियों से मिलने बिना बताए घर से निकली, रात में घर नहीं पहुंची तो सामने आई सच्चाई

बैतूल। जिले में बहला फुसलाकर महिलाओं और नाबालिग बेटियों के शोषण के मामले लगातार सामने आ रहे है। ऐसे ही एक मामले में बुआ और भतीजी दुराचार का शिकार हो गई। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है परिवार को बिना बताए 19 वर्षीय युवती और 14 वर्षीय किशोरी अपने दोस्तो से मिलने आ गई। उक्त दोनों पीड़िता बुआ और भतीजी है। रात में बुआ और भतीजी को उनके प्रेमियों ने ही दुराचार का शिकार बनाया। देर रात तक जब दोनो घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया। जब किशोरी और युवती परिजनों को खेत में मिली तो सच सामने आया। कोतवाली पुलिस द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध कर पूछताछ की जा रही है। इस बारे में देवकरण डेहरिया, टी आई कोतवाली बैतूल ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध मामले पंजीबद्ध किए गए है। पूछताछ जारी है।

सड़कों के गड्ढों का कांग्रेसियों ने किया विरोध, आहूति डालकर दिया श्राद्ध

बैतूल। जिले में सड़कों की खराब स्थिति को लेकर कांग्रेस ने अपने विरोध प्रदर्शन की मुहिम जारी रखी है। आज उन्होंने एक बार फिर सड़कों पर बने गड्ढों में भाजपा के झंडे लगाए, बेशर्म की झाड़ियां रोपीं और खराब सड़कों का श्राद्ध किया। कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि तीन करोड़ रुपये की सड़कों का निर्माण मात्र 70 लाख रुपये में किया गया, जिसमें 80 फीसदी भ्रष्टाचार हुआ है। कांग्रेस नेता निलय डागा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वाग्द्रे के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने गाढ़ा घाट पहुंचकर खराब सड़कों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

उन्होंने नगरपालिका में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने सड़कों में बने गड्ढों में भाजपा के झंडे लगाए और बेशर्म की झाड़ियां लगाई। इसके अलावा, खराब सड़कों को प्रतीकात्मक रूप से मृत मानते हुए उनका श्राद्ध भी किया गया। इस दौरान प्रदर्शन स्थल पर आग जलाई गई और उसमें आहुति दी। पूर्व कांग्रेस विधायक निलय डागा ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं, उन्होंने कहा कि यहां विकास पूरी तरह से अव्यवस्थित हो चुका है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब हमने इसे स्वाहा भी कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के टैक्स के पैसों का दुरुपयोग कर कुछ लोग अपना घर भरने में लगे हैं। निलय डागा ने बताया कि लगभग 6 महीने पहले कायाकल्प योजना के तहत नगरपालिका में 3 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण किया गया था।

उनका दावा है कि वास्तव में सड़कों का निर्माण केवल 70 लाख रुपये में किया गया, जबकि बाकी 2 करोड़ 30 लाख रुपये की हेराफेरी की गई। डीपीआर में अर्थवर्क और खुदाई शामिल थे, लेकिन केवल सतही काम करके इसे पूरा दिखाया गया। उन्होंने मांग की है कि इस मामले में ठेकेदार और सड़कों को 'ओके' रिपोर्ट देने वाले अधिकारियों की जांच होनी चाहिए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत वाग्द्रे का कहना है कि यह सड़क 60 एमएम की मोटाई की बननी थी, लेकिन 35 एमएम की भी नहीं बनी। उन्होंने जोर देकर कहा कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए, क्योंकि यह जनता के पैसे का मामला है। यदि एफआईआर नहीं होती, तो कांग्रेस इसके लिए धरना प्रदर्शन करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि शहर में सामान्य से कम बारिश के बावजूद सड़कों की यह हालत है, अगर तेज बारिश होती, तो शायद ये सड़कें पूरी तरह से बह जातीं।

शासकीय जयवंती हक्सर कालेज के बेसमेंट में रखी लाखों रुपए की किताबें, बारिश पानी से हुई गीली

बैतूल। शासकीय जयवंती हक्सर महाविद्यालय में बड़ी लापरवाही सामने आई है जंहा पुस्तकालय के बेसमेंट में बारिश का पानी भरा गया जिसकी वजह से लाखों रुपयों की किताबें वितरण के पहले ही भीग गईं इतना ही नही बेसमेंट में रखी किताबों की खबर ना पुस्तकालय प्रभारी को थी और ना ही प्राचार्य को जब किताबें पानी में भीग गई तो प्राचार्य का कहना है की किताबों को धूप में सुखा लेंगे। शासकीय कालेज में छात्रों को पढ़ने के लिए किताबें दी जाती है जिसका पुस्तकालय कालेज के बेस मेंट बना हुआ है और यंहा किताबें पानी से भीग गई प्राचार्य के अनुसार पुस्तकालय प्रभारी छुट्टी पर था और यंहा किसी ने ध्यान नहीं दिया इतनी बड़ी लापरवाही लाखों रुपए की किताबें खराब हो गई स बेस मेंट में किताबों की रैक के नीचे पानी ही पानी भरा हुआ है किताबें खराब होने की सूचना पर कालेज के कर्मचारियों ने मोटर पंप से पानी बाहर निकाला और बचा पानी कर्मचारियों ने वाइपर से खींचकर निकाला। किताबें गीली हो गई तो कॉलेज में हड़कम्प मच गया दो साल पहले भी इस कालेज में लाखों रुपए की किताबों को दीमक खा गई थी। किताबे गीली हो जाने के मामले में जब कालेज की प्राचार्य विजेता चौबे से पूछा गया तो उन्होंने कहा की इसकी जानकारी उन्हें नही थी जो पुस्कालय प्रभारी था वो मेडिकल लिव पर गया हुआ था बारिश के समय किताबों को दूसरी जगह रखा गया था जो किताबें गीली हो गई है उन्हे धूप में सुखा लिया जाएगा।

हमलापुर क्षेत्र में तालाब में मिली युवक की लाश, पुलिस कर रही जांच

बैतूल। मंगलवार की सुबह लगभग 10 बजे गंज पुलिस को सूचना मिली कि हमलापुर आमला की ओर जाने वाली सड़क के किनारे बने ईंट भट्ठे के पास तालाब में एक युवक की लाश देखी गई है। सूचना मिलने पर गंज पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। तालाब के किनारे पुलिस को एक जींस, शर्ट और जूते भी मिले। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक शराब के नशे में असावधानीवश नहाने के लिए तालाब में उतरा होगा और डूबने से उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 28 वर्षीय दुर्गेश चेरीवार के रूप में हुई है, जो मुलताई थाना क्षेत्र का निवासी था। बताया जा रहा है कि दुर्गेश बैतूल बाजार में अपनी मौसी के यहां मेहमान आया हुआ था। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है और शव को पोस्टमार्ट्म के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्ट्म के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

लोहिया वार्ड में भगवान राम के रूप में विराजेंगे श्री गणेश

• सारणी के कलाकार तैयार कर रहे राम मंदिर की झांकी

बैतूल। गंज स्थित लोहिया वार्ड में नवयुवक नवज्योति गणेश मंडल द्वारा 35 वें वर्ष में लगातार भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस बार अयोध्या में स्थापित भगवान श्री राम के रूप में 15 फीट की विशाल प्रतिमा स्थापित की जा रही है। खंजनपुर के मूर्तिकार इसे अंतिम रूप देने में लगे हैं। दूसरी ओर सारणी के कुशल कलाकारों द्वारा इस बार भव्य और आकर्षक 40 फीट का मंदिर तैयार किया जा रहा है। इस झांकी में करीब 70 हजार रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसी झांकी में राम रूपी श्री गणेश की स्थापना होगी। मंडल द्वारा सभी 10 दिनों तक अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। गत दिनों समूचे आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मंडल समिति के कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 10 दिवसीय गणेश उत्सव को लेकर सभी ने अपनी राय दी। समूचे कार्यक्रमों की रणनीति के लिए एक कार्यकारिणी बनाई गई है। इस कार्यकारिणी में संरक्षक पं. दीपक शर्मा, पं. कांत दीक्षित, पप्पन मिश्रा, विजय सलूजा को चुना गया है। अध्यक्ष के रूप में इस बार भी नंदू मामा के नाम पर सहमति बनी है। उपाध्यक्ष अब्बू राठौर, पंकज सोनी, संतोष सोनपुरे, दीपक सलूजा, जयराम भाऊ, हर्ष मालवी, शैलेन्द्र चरडे, सचिव देवेन्द्र साहू, गोल्डी मिश्रा, कन्हैया राठौर, विनोद राठौर, सह सचिव अमित राठौर, नीरज सोनी, संतोष राठौर, भरत मरकाम दिलीप पालीवाल, नरेश अरोरा, सोनू सलूजा को चुना गया है। सांस्कृतिक समिति में अशोक सोनपुरे, पिंटू सलाम, हरिशंकर राठौर, गोलू पारधे, युवराज साहू, रवि बेडरे, हितेश सावनेर, नितिन सैनी, लोकेश बेडरे, अंशुल मिश्रा, सोनू राठौर में शामिल किए गए। वहीं कार्यकारिणी सदस्य गोविंद साहू, नान्हू अमझरे, संदीप कवड़े, विकास लालवानी, सोनू सेठे, राकेश रावत, संयम गायकवाड़, सुमित टिकारे, आकाश पवार, हर्ष साहू, कैलाश अमझरे, बंटी पारधे, राहुल पारधे, मोंटी पारधे, नवनीत चौहान, अमित टिकारे, सिद्धार्थ सोनपुरे, सागर सोनपुरे, विजेन्द्र सावनेर, संतोष गुप्ता, गोलू लिखितकर, पुष्पराज साहू, राकेश रावत, बलराम बेडरे, सोनू मोर्य, जसवंत लिखितकर, अक्कू पंवार, वीरेन्द्र फूलवाला, बल्लू बेडरे, मनोज रावत, हर्ष साहू, नवनीत, राकेश अमझरे, गोलू साबले, सतीश बेडरे, कल्लू नागपुरे, आकाश गुप्ता, कन्हैया बेडरे को चुना गया है।

'कर' मनाने के लिए वन्य प्राणी का किया शिकार, मांस पकाते हुए वन कर्मियों ने दबोचा

शिकारी ने अधिकारियों के बीच शिकार के बाद मांस बेचना स्वीकारा

बैतूल। पोला पर्व के दूसरे दिन बड़े पैमाने पर मनाए जाने वाले कर पर शिकारियों ने वन्य प्राणी का शिकार कर मांस बेचा भी ओर जब पकाने लगे तो वनकर्मियों ने पके हुए मांस के साथ दबोच लिया। आरोपियों के खिलाफ वन अपराध दर्ज कर जांच जारी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पश्चिम वन मण्डल के डीएफओ वरुण यादव को मुखबिर से सूचना मिलने के बाद एक टीम गठित कर मौके पर भेजा गया तो टीम की आंखें फटी रह गई। आरोपियों द्वारा मांस पकाया जा रहा था । टीम ने पके हुए मांस के बर्तन समेत आरोपियों को पकड़ कर रेंज आफिस लाया गया जहां आरोपियों ने ओर भी खुलासे किए। सांवलीगढ़ रेंज के धानियाजाम ग्राम में आज कर मनाई जा रही थी। धनिया जाम निवासी देवकरण वल्द डोमा निवासी ओर डोलजाम निवासी लिप्पु वल्द ख्याली ने जंगली सूअर का शिकार किया गांव वालों को बेचा ओर बचा हुआ खुद अपने लिए पका रहे थे इसी बीच वन अमले ने दोनों को दबोच लिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि लिप्पु ने शिकार किया था ओर गांव वालों को मांस बेचना भी स्वीकारा फिलहाल दोनों आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध दर्ज कर लिया गया है। टीम में शामिल संजय जैन, जगन सरियाम, सुमरलाल भारती, गुरुदयाल नागले, ओमप्रकाश पाल व सुरक्षा श्रमिक की भूमिका सराहनीय रही।

मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश, कोतवाली पुलिस ने किया 12 मोटर सायकल चोरी का खुलासा

बैतूल। शहर में चोरी के वाहनों की पतासाजी और अपराधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बैतूल द्वारा अपराध समीक्षा बैठक में निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत 2.9. को शहर से 4 कीमती मोटरसाइकिल चोरी होने की सूचना थाना कोतवाली में प्राप्त हुई। इन मामलों में अपराध क्र. 838-24, 840-24, 842-24, और 843-2024 के तहत धारा 303(2) बीएनएस का पंजीकरण कर जांच शुरू की गई। थाना स्तर पर उप निरीक्षक वहीद खान, नितिन उईके, दिनेश कुमरे, सहायक उप निरीक्षक अरुण यादव, प्र.आर. दिनेश निमोदा, आरक्षक अनुज यादव, उज्जवल दुबे, प्रफुल्ल, प्रदीप कहार, और पवन लौवंशी की अलग-अलग टीम बनाकर घटना स्थलों और शहर में उपलब्ध साक्ष्यों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया। घटना स्थल और मार्गों में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से संदिग्धों की पहचान की गई। संदिग्धों सुजीत मौसिक पिता संतोष मौसिक निवासी विजयग्राम, पंकज पिता श्रीराम यादव निवासी सिंगार चावडी, विवेक पिता अनूप यादव निवासी कटकुही को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान उन्होंने थाना चिचोली, चौकी पाढर, थाना झल्लार और थाना कोतवाली बैतूल क्षेत्र से कुल 12 मोटर सायकल चोरी करने की बात स्वीकार की। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने इनमें से 5 मोटर सायकल बेच दी थीं। पुलिस ने आरोपियों से कुल 11 मोटरसाइकिल और 1 मोटरसाइकिल के पार्ट्स, जिसकी कुल कीमत करीब 11 लाख 55 हजार है, बरामद किए। सभी आरोपियों को बुधवार को न्यायालय बैतूल में पेश किया गया है। इस कार्रवाई में निरीक्षक देवकरण डेहरिया, उप निरीक्षक वहीद खान, नितिन उईके, दिनेश कुमरे, सहायक उप निरीक्षक अरुण यादव, प्र.आर. दिनेश निमोदा, महेन्द्र पवार, विनय पांडे, आरक्षक अनुज यादव, प्रदीप कहार, उज्जवल दुबे, प्रफुल्ल, पवन लौवंशी, शशांक यादव, महेश नगदे, और विशाल राजपूत की विशेष भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

किसान हितैषी सांसद दर्शन सिंह चौधरी की चुप्पी किसानों को खलने लगी..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

किसान हितैषी सांसद दर्शन सिंह चौधरी की किसानों के पक्ष में चुप्पी उन्हें अखर रही है। किसी समय ये ही दर्शन सिंह चौधरी पूरे प्रदेश में किसान हित को लेकर किसानों के घर घर दस्तक देते थे। फिर आज सांसद बनकर अपने क्षेत्र के किसानों को उनकी बेचीं गई मूंग का पैसा दिलाने में ध्यान नहीं दे रहे। पांच सैंकड़ा से अधिक किसानों द्वारा बेची जा चुकी मूंग का भुगतान आज दिनांक तक प्रशासन उन्हें नहीं करवा पाया.. इतना ही नहीं कलेक्टर कलेक्ट्रेट में रहकर भी उनसे मिलने पहुंचे इन किसानों से न उनके प्रतिनिधि मंडल से रु-ब-रू हो पाई। किसान बेचारे भुगतान के लिए जबकि आफिस आफिस भटक रहे। उपसंचालक कृषि इस मामले की गतिविधि पर विशेष ध्यान रखें है। क्योंकि उपार्जन समिति के महत्वपूर्ण सदस्य होने के कारण उपार्जन केन्द्र बनाने के नाम पर वेयरहाउस संचालकों से इन्होंने मोटी रकम वसूली है। वह बगैर कलेक्टर के संरक्षण के संभव नहीं, सोनखेड़ी स्थित राधाकृष्ण वेयर हाउस जिसका नाम उपर से नहीं आया था फिर उसे उपार्जन केन्द्र क्रमांक 5822652 बनाया गया जबकि उसके पास लाईसेंस नहीं था, उसे 500 सौ से उपर किसानों को मूंग बेचने के स्लाट दिए गए। उपार्जन केन्द्र का संचालक 11 करोड़ की मूंग लेकर मजे ले रहा और किसान भुगतान के लिए भटक रहे। किसानों के साथ हुई धोखाधड़ी को लेकर इसमें सबसे पहले उपार्जन केन्द्र बनाने वाले प्रधान के विरुद्ध एफआईआर सरकार को दर्ज करानी चाहिए जिससे ऐसी पुनरावृत्ति जिले में नहीं हो और भुगतान के लिए भटक रहे किसानों को भुगतान कराया जाना चाहिए। इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि सोनखेड़ी स्थित राधाकृष्ण वेयर हाउस संचालक ने अपने वेयरहाउस के आगे पीछे ऊपर नीचे कहीं भी वेयरहाउस पहचान के लिए कोई बोर्ड होर्डिंग या लिखाई नहीं की है। नानपा समिति प्रबंधक कमलेश गोस्वामी इस मामले को लेकर काफी क्षुब्ध हैं वे किसानों के फोन नही उठाते, फोन बंद कर लेते आखिर भुगतान को लेकर वे किसानों का कब तक सामना कर सकते, उनके भी चार साढ़े चार लाख यहां फंस गए बताते हैं। भुगतान कब तक होगा उस पर वे कह रहे हैं उसका कहीं से कहीं तक पता नहीं। बहरहाल वे कहते हैं 116 और 427 किसानों की पीओ पर वे 27 और 29 तारीखों में हस्ताक्षर कर चुके हैं अब डीएमओ ही बता पायेंगे भुगतान कब तक होगा। किसान भी जारी लिस्ट को लेकर 10 सितम्बर की तारीख देख रहा जो भुगतान नहीं मिलने पर गंभीर रुख अख्तियार कर सकता है। वैसे भी 13 सितंबर को कांग्रेस जिला स्तरीय आन्दोलन करने जा रहा प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी इस मामले में हुंकार भर सकते हैं। जो प्रशासन के लिए मुसीबत खड़ी कर सकते है।

शून्य से शिखर तक ... फिर अनंत यात्रा की और ... संघर्ष की तपिश में तप कर निखरे थे पूनमचंद यादव जी ...

सीएम डॉ. मोहन यादव के पूज्य पिताजी स्व. पूनमचंद यादव जी का भावपूर्ण स्मरण

(राजेश शर्मा)

हीरा मिल का तंगहाली भरा जीवन - संघर्ष दर संघर्ष - उतार चढ़ाव से भरा जीवन.. रतलाम से आकर उज्जैन में हीरा मिल में नौकरी कर अल्प वेतन में भरे पूरे परिवार के लालन-पालन की जिम्मेदारी, पर वे तो अथक संघर्ष- अदम्य साहस और जीवटता की मूर्ति थे । संघर्ष की तपिश में तप कर ऐसे निखरे कि बाबा महाकाल की अवंतिका नगरी में यादव परिवार को ना केवल बखूबी स्थापित किया बल्कि यादव परिवार की यशोकीर्त को चहुंओर बढ़ाया। संघर्ष की यह कहानी है यादव परिवार के आधार स्तंभ - वटवृक्ष स्व. पूनमचंद यादव जी की... शून्य से शिखर तक पहुंचने की इस कहानी में वर्षों की मेहनत - त्याग और तपस्या है श्रद्धेय पूनमचंद यादव जी की। संघर्ष की इसी तपिश से तप कर निखरे है 'मध्यप्रदेश के मन मोहन'मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ... हृदय प्रदेश के लिए यह गौरव की बात है कि एक पुत्र

को राजनीति में आगे बढ़ाया ओर वो छोटे सुपुत्र डॉ. मोहन यादव आज मप्र के यशस्वी मुख्यमंत्री है... आज मोहन यादव जी की राजनैतिक फलक पर सफलता की चर्चा देश और प्रदेश में चहुंओर है पर इस सफलता के शिल्पी श्रद्धेय पूनमचंद यादव जी है जिन्होंने 'मोहन' जैसे रत्न को गढ़ा...। डॉ. मोहन यादव के पिताश्री पूनमचंद यादव जी का लगभग 100 वर्ष की आयु में निधन, पिता का साया उठ जाना मुख्यमंत्री के लिए एक बड़ी क्षति है.. पिताजी के आदर्श- शिक्षा-संस्कार और साहस उनकी बड़ी पूंजी है.. तभी तो मुख्यमंत्री बनने के बाद भी वे पिताजी से मिलने लगातार उज्जैन आकर उनकी कुशलक्षेम जानते थे, पिता के प्रति पुत्र के अनुराग का बड़ा उदाहरण है। देवलोकगमन के एक दिन पहले भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उज्जैन आकर उनसे भेंट की थी। अंतिम समय में उनके बड़े पुत्र श्री नन्दलाल यादव,श्री नारायण यादव, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव और परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

संघर्ष से परिवार खड़ा किया...

स्व.पूनमचंद जी यादव ने संघर्ष से परिवार खड़ा किया, तीन पुत्र, दो पुत्रियां, नाती,पोते, परनाती, प्रपोत्र से संपन्न परिवार छोड़ कर अनंत यात्रा की और चल दिए।

स्व.पूनमचंद जी यादव धर्म, कर्म, तप और त्याग की प्रतिमूर्ति, सम्पूर्ण यादव परिवार के आधार स्तम्भ और जीवंत कर्म चेतना के प्रतीक, साहस और संघर्ष ही जिनके जीवन का मंत्र रहा।

आदरांजली

समर्थन मूल्य पर खरीद मूंग के भुगतान को लेकर ज्ञापन सौंपा

सुबह सवेरे सोहागपुर

ब्लाक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आज राज्यपाल को संबोधित करते अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा ज्ञापन तहसीलदार अल्का एक्का को कांग्रेस जनों सौंपा। इस ज्ञापन में कहा गया है कि समर्थन मूल्य पर सहकारी समितियों के द्वारा खरीदी गई मूंग का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। मूंग खरीदी किए हुए करीबन 1 माह से अधिक समय बीत चुका है। किसान अगली फसल के लिए खाद,बीज खरीदी के लिए पैसे उधार लेकर खरीद रहे हैं। वहीं किसानों को समिति के द्वारा भी खाद-बीज नहीं दिया जा रहा है। मजबूरन किसान को कर्ज ले कर खाद-बीज का इंतजाम कर रहे है।

शासन से अनुरोध करते हैं कि किसानों को मूंग खरीदी का भुगतान शीघ्र भुगतान किया जाए। शीघ्र भुगतान के अभाव में कांग्रेस ब्लाक स्तर पर आन्दोलन करने को बाध्य होगी। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष आलोक जायसवाल, वकील कार्तिक शर्मा विक्रम रघुवंशी, राकेश चौधरी,नीरज चौधरी, मोहन कहार, शुभम पटैल आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में देवास का नाम नहीं : कांग्रेस

देवास। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में प्रदेश के विभिन्न जिलों के बुजुर्गों को प्रदेश सरकार तीर्थ यात्रा करवाती है। इस बार तीर्थ यात्रा 14 सितंबर से प्रारंभ हो रही है, लेकिन तीर्थ दर्शन योजना में देवास जिले का नाम शामिल नहीं है। मुख्यमंत्री ने योजना का शेड्यूल जारी कर दिया है। प्रदेश में 14 सितंबर 2024 से 26 फरवरी 2025 तक धार्मिक यात्रा कराई जाएगी।

इस योजना के तहत 14 सितंबर को उज्जैन से वाराणसी, अयोध्या के लिए पहली ट्रेन रवाना होगी। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी व कार्यकारी अध्यक्ष प्रवक्ता सुधीर शर्मा ने बताया कि बुजुर्गों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का कार्यक्रम प्रदेश सरकार द्वारा जारी किया गया है, उसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के मुख्यालय एवं अन्य स्थानों का नाम जोड़ा गया है, लेकिन देवास शहर या जिले का नाम शेड्यूल

में नहीं है। यह भी उल्लेख नहीं है कि प्रमुख स्थान से देवास जिले के वरिष्ठ नागरिक योजना के अंतर्गत विभिन्न दर्शनीय स्थलों पर पहुंचकर दर्शन कर सकेंगे। शहर अध्यक्ष राजानी व प्रवक्ता शर्मा ने बताया उज्जैन से पहली ट्रेन 14 सितंबर को रवाना होगी जो वाराणसी, अयोध्या पहुंचेगी। इसमें उज्जैन जिले के 300, सीहोर के 200 और विदिशा के 209 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। अन्य तीर्थ स्थलों के लिए भी फरवरी तक जारी शेड्यूल में कहीं भी देवास जिले का नाम नहीं है। कांग्रेस ने मांग की है, कि देवास जिले से जो जनप्रतिनिधि प्रदेश में नेतृत्व कर रहे हैं, वह इस संदर्भ में शीघ्र ही हस्तक्षेप करें एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से देवास जिले के बुजुर्गों को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ दिलाते हुए उन्हें तीर्थ के लिए भेजें।

जल संचय को लेकर पूरे प्रदेश में इतना समन्वय कहीं नहीं देखा, देवास में बहुत अच्छा कार्य किया गया है, कहा वैज्ञानिक दल ने

कलेक्टर श्री गुप्ता और भोपाल के वैज्ञानिक दल ने पत्रकार वार्ता में अमृत संचय अभियान किये गये कार्यों और आगामी कार्ययोजना की दी जानकारी

देवास/मोहन वर्मा । कलेक्टर श्री क्षितिज गुप्ता ने पत्रकार वार्ता में कहा कि देवास जिले में वर्षा के जल के संचय के लिए विगत तीन माह से अमृत संचय अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत देवास में 225 करोड़ लीटर वर्षा का जल संचय करने का कार्य किया गया है। देवास में जल संचय के लिए बनाई जा रही संरचनाओं में सही दिशा में कार्य किया जा रहा है या नहीं। इसका वेरिफिकेशन थर्ड पार्टी से करना आवश्यक था। इसके लिए वैज्ञानिको का दल वेरिफिकेशन करने आया है। वैज्ञानिक दल द्वारा जल संचय संरचनाओं का निरीक्षण किया गया है और दल ने आगामी कार्ययोजना को लेकर सुझाव भी दिए। वैज्ञानिक दल द्वारा फिडबैक रिपोर्ट राज्य शासन को प्रस्तुत की जाएगी। वैज्ञानिक दल में डॉ कपिल खरे, डॉ रवि भारद्वाज, डॉ हरि नटराजन और श्री जिशांत सिद्धि शामिल थे। पत्रकार वार्ता के दौरान वैज्ञानिक दल, डॉ. समीरा नईम, डॉ. सुनील चतुर्वेदी, श्री श्रीकांत उपाध्याय, श्री मोहन वर्मा, श्री गंगा सिंह सोलंकी सहित अमृत संचय टीम के अन्य सदस्य उपस्थित थे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले में ग्राउंडवाटर संवर्धन के लिए काम किया जा रहा है। जल संचय के लिए घर-घर जाकर टीम द्वारा नागरिकों को जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। जल संचय के लिए एक साल की कार्य योजना बनाई जा रही है। जिसके तहत घर-घर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग

सिस्टम लगाने के लिए नागरिकों का जागरूक किया जायेगा। देवास में 40 से 50 लार्ज/मीडियम उद्योग, लगभग 250 स्माल उद्योग है, जहां जल संचय की संरचनाओं का निर्माण किया जायेगा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले में बोरी बंधान का कार्य किया जा रहा है। जल संचय के लिए पौधारोपण किया जा रहा है। जल संचय के लिए देवास में शंकरगढ़ पहाड़ी पर सात जगह पर बोली बंधान कार्य किया जाएगा। शंकरगढ़ पहाड़ी पर 05 सितम्बर को 05 हजार पौधे लगाये जाएंगे। जिले में ''मेरा स्कूल-स्मार्ट स्कूल'' अभियान पूर्ण हो गया है, इसके तहत जिले की सभी 1650 स्कूलों में स्मार्ट टीवी लगाई गई है। हम 6 मॉड्यूल डेवलप कर रहे हैं। 6 माह में 6 माड्यूल स्कूलों में बच्चों को सिखाएंगे और जल संरक्षण का महत्व बताया जाएगा। जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में नल जल योजनाओं की संरचनाओं के पास जल संचय के लिए संरचनाओं का निर्माण किया जायेगा। स्कूलों में पैरेंट-टीचर मीटिंग होगी। जिसकी शुरुआत शुक्रवार को सेंट्रल इंडिया स्कूल से की जा रही हैं। जिसमें कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी पत्रकारगणों को भी आमंत्रित किया। वैज्ञानिक दल ने कहा कि जल संचय को लेकर पूरे प्रदेश में इतना समन्वय कही नहीं देखा।

देवास में जल संचय के तहत बहुत अच्छा कार्य किया गया है। हमने जगह-जगह जाकर जल संचय के लिए बनाई गई संरचनाओ का देखा। जल संचय अभियान को पूरे प्रदेश में डेवलप किया जाएगा। जिस प्रकार स्वच्छता में इन्दौर देश में प्रथम है, उसी प्रकार जल संवर्धन के मामले में देवास देश में प्रथम रहेगा। तीन माह में इतना अच्छा काम करना तारीफ के काबिल है। डॉ सुनील चतुर्वेदी ने देवास जिले में वर्षा के जल को संचय के लिए किये गये कार्यो की जानकारी दी। उन्होंने मीडिया को धन्यवाद देते हुए कहा कि मीडिया भी इस अभियान हिस्सा है। मीडिया के माध्यम से यह अभियान देवास जिले के जन-जन तक पहुंचा है।

रेलवे की समस्याओं को लेकर नागरिक संघर्ष समिति, अधिवक्ता संघ ने जबलपुर में डीआरएम को ज्ञापन सौंपा

सुबह सवेरे सोहागपुर

नागरिक संघर्ष समिति एवं अधिवक्ता संघ ने सोहागपुर रेलवे स्टेशन संबंधी समस्याओं को जबलपुर जाकर डीआरएम सहायक वाणिज्य प्रबंधक ए के नायक ज्ञापन सौंपा।इस प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ अधिवक्ता जे पी माहेश्वरी, वकील हनीफ खान, नागरिक संघर्ष समिति संयोजक शिवकुमार पटैल, अधिवक्ता संघ उपाध्यक्ष गोपाल सराठे, सचिव संजय तिवारी,नीरज शर्मा, विक्रम रघुवंशी, गजेन्द्र मेहरा आदि थे। इस संबंध में नागरिक संघर्ष समिति के संयोजक शिवकुमार पटैल ने इस प्रतिनिधि को बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने डीआरएम को सोहागपुर रेलवे स्टेशन बरसों पुरानी समस्याएं के बारे में बताया कि कई वर्षों से समस्या यथावत बनी हुई है ।

एक और रेलवे समपार गेट पर ओवरब्रिज नहीं होने के कारण नागरिकों को अत्यधिक परेशानी के सामना करना पड़ता है।

इस गेट के दो वार्डों के साथ ही 40,50 ग्रामों के लोग भी गेट के खुलने की प्रतीक्षा करते रहते हैं। वहां दूसरी तरफ समस्त स्कूल, न्यायालय, अनुविभागीय कार्यालय,नगर पालिका थाना, मार्केट, सब्जी बाजार, किराना दुकान समस्त बैंक हैं।इस कारण हर पहर आवागमन लगा रहता है। रेलवे गेट बंद होने से नागरिक, महिलाएं, छात्र सभी परेशान होते रहते हैं। दूसरी अहम प्लेटफार्म क्रमांक 2 ऊंचा न होने के कारण तथा प्लेटफार्म पर डिस्प्ले बोर्ड ना होने के कारण रेलगाड़ी आती है। यात्रियों को कोच ढूंढने में काफी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। कई बार वृद्ध, महिलाएं ,बच्चे दुर्घटना का शिकार भी हो जाते हैं। रात होते ही प्लेटफार्म पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। सुरक्षा की दृष्टि सीआरपीएफ या जीआरपी के नौजवान की नियुक्ति प्लेटफार्म पर होना चाहिए। वहीं सोहागपुर रेलवे स्टेशन पर गाड़ी क्रमांक 22187/78 महानगरी एक्सप्रेस,12295/ 96 संघमित्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 22187/88 इंटरसिटी एक्सप्रेस, 12061/62 जन शताब्दी एक्सप्रेस के ट्रेनों के स्टापेज एवं सोहागपुर,बनखेड़ी रेलवे स्टेशन से इटारसी व जबलपुर को जाने के लिए सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के मध्य कोई भी ट्रेन यात्रियों हेतु उपलब्ध नहीं है ऐसी स्थिति में इस समस्या को ध्यान में रखते हुए या तो किसी ट्रेन का स्टापेज किया जाए। अन्यथा ट्रेनों के समय में पूर्वी की भांति परिवर्तन किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने डीआरएम से सकारात्मक कदम उठाने की मांग की है।

नगर निगम लगाएगा बड़े बकाया करदाताओं के नाम के फ्लेक्स चौराहों पर

देवास। विडियों कॉफ्रेंसिंग मे दिये निर्देश के तारतम्य मे आयुक्त रजनीश कसेरा ने विभागीय अधिकारियों के साथ मंगलवार 3 सितम्बर को बैठक आहूत कर दिये निर्देशन मे संजीवनी क्लीनिक की प्रगतियों के साथ बी.एल.सी. घटक अन्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना पूर्ण करने के लक्ष्य की जानकारी ली तथा लक्ष्य को समय सीमा मे पूर्ण करने के निर्देश दिये वहीं संजीवनी क्लीनिकों को हस्तांतरित करने पर चर्चा की सी.एम.एच.ओ से चर्चा तथा पत्र देने हेतु आयुक्त ने निर्देश दिये। स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत ठोस अपष्ठि प्रबंधन अन्तर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के तहत किये जाने वाले कार्यो एवं उपयोगित जल प्रबंधन योजनाओं की निविदाओं की स्थिती की जानकारी ली। आयुक्त ने राजानल तालाब के सीमांकन हेतु निर्देश दिये। एस.डी.आर.एफ. के अंतर्गत कार्यो की भी जानकारी ली तथा प्रगति रिपोर्ट शासन को भेजे जाने हेतु आयुक्त ने कहा वहीं आयुक्त ने प्रधानमंत्री स्वनिधि मे रिर्टन बाय बैंक की जानकारी ली तथा लक्ष्यपूर्ति के निर्देश संबंधितों को दिये वहीं स्वनिधि से समृधि पर चर्चा कर दिशा निर्देश दिये। डे.एन.यु.एल.एम. की जानकारी तथा लक्ष्यपूर्ति के निर्देश के साथ आवर्ती निधि की जानकारी ली तथा पोर्टल पर अपडेट किये जाने के निर्देश दिये।

कांग्रेस ने जो ढांचा खड़ा किया, उसे ध्वस्त कर रही है बीजेपी : निलय डागा

- **बैतूल की सभी प्रमुख समस्याओं को लेकर राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन**

बैतूल। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को लेकर पूर्व विधायक निलय डागा ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 70 साल में कांग्रेस ने जो मजबूत ढांचा जिला अस्पताल, सीएचसी सेंटर, और पीएचसी सेंटर के रूप में खड़ा किया था, उसे बीजेपी सरकार पीपीपी मोड लाकर बर्बाद करने की कोशिश कर रही है। पूर्व विधायक ने कहा कि आचार संहिता लगने से पहले बीजेपी ने बैतूल में मेडिकल कॉलेज की घोषणा की थी, लेकिन 25 एकड़ जमीन तक ढूंढने में असफल रही। वहीं, कांग्रेस के समय बनाए गए स्वास्थ्य ढांचे को अब बेचने की तैयारी की जा रही है। डागा ने जिला चिकित्सालय की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट न होने के कारण सोनोग्राफी नहीं हो पा रही है, जिससे मरीजों को बाहर जाकर दुगुनी कीमत चुकानी पड़ रही है।

प्रेग्नेंट महिला वार्ड का आईसीयू भी बंद कर दिया गया है, जिसके चलते छोटी-छोटी बीमारियों के लिए भी मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया के डॉक्टर की कमी के चलते ऑपरेशन नहीं हो पा रहे हैं और मध्य प्रदेश शासन के आदेश से जिला अस्पताल में ऑपरेशन बंद कर दिए गए हैं। टीएमटी की नई मशीन कबाड़ में पड़ी हुई है, और मेडिकल में आईसीयू ऑपरेटर व सपोर्ट स्टाफ की कमी के कारण आईसीयू को बंद कर दिया गया है। डागा ने कहा कि गंभीर मरीजों के लिए वेंटिलेटर की आवश्यकता होती है, लेकिन वेंटिलेटर भी बंद पड़े हैं। मरीजों को प्राइवेट अस्पताल जाने की सलाह दी जा रही है और क्रिटिकल मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती नहीं किया जा रहा है। जिले के 10 ब्लॉकों में 10 सीएचसी सेंटर और कई पीएचसी सेंटर होने के बावजूद प्रसूता महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर किया जा रहा है, जहां एक ही बेड पर दो महिलाओं को रखा जा रहा है। डागा ने सवाल उठाया कि क्या इस तरह से महिला सशक्तिकरण संभव है? उन्होंने बीजेपी सरकार से सवाल किया कि कांग्रेस द्वारा बनाए गए स्वास्थ्य ढांचे को नष्ट कर देना क्या सही है, और क्या ये आम जनता के हित में है? ऐसे कई मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने जिले की विभिन्न समस्याओं को लेकर बुधवार 4 सितंबर को लक्ष्मी चौक पर प्रदर्शन करने के बाद राज्यपाल के नाम ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा है। हेमन्त वागद्रे अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल, निलय विनोद डागा पूर्व विधायक बैतूल, डॉ. पी.आर. बोडखे पूर्व विधायक मुलताई, धरमूसिंह सिरसाम पूर्व विधायक भैसदेही, मोनू बडोनिया अध्यक्ष, ब्लाक कांग्रेस शहर बैतूल, प्रशांत राजपूत कार्यवाहक अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने खस्ताहाल सड़कों, किसानों की आर्थिक परेशानियों, बिजली बिलों में बेहिसाब वृद्धि, महिलाओं और बालिकाओं के साथ दुराचार, एस.सी., एस.टी. व अल्पसंख्यक वर्गों पर अत्याचार, जिला चिकित्सालय की दुर्दशा, और पी.पी. मोड पर मेडिकल कॉलेज के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है।

सड़कों की खस्ताहाली, किसानों की आर्थिक तंगी और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर कांग्रेस का हल्ला बोलः कांग्रेस ने किसानों की आर्थिक स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई है। वर्तमान में सोयाबीन के दाम 4 हजार रुपये प्रति क्विंटल तक गिर गए हैं, जबकि 2020-21 में यह दाम 10 हजार रुपये प्रति क्विंटल था। किसानों के बिजली बिल भी बेतहाशा बढ़ गए हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है।

महिलाओं और बालिकाओं के साथ हो रहे दुराचार, एस.सी., एस.टी. और अल्पसंख्यक वर्गों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर भी कांग्रेस ने चिंता जताई है। इसके अलावा, जिला चिकित्सालय की दुर्दशा की ओर इशारा करते हुए कहा गया कि वहां डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है और गर्भवती महिलाओं को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं।

पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज के संचालन के निर्णय को लेकर भी कांग्रेस ने विरोध जताया है। उनका कहना है कि यह निर्णय गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रभावित करेगा और निजी कंपनियों द्वारा मनमाना संचालन किया जाएगा।

ज्ञापन देने वालों में हेमन्त वागद्रे अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल, निलय विनोद डागा पूर्व विधायक बैतूल, धरमूसिंह सिरसाम पूर्व विधायक भैसदेही, मीर खान प्रवक्ता जिला कांग्रेस कमेटी, मोनू वाघ प्रवक्ता जिला कांग्रेस कमेटी, नंदनी तिवारी, प्रेरणा शर्मा सहित सैकड़ों कांग्रेसजन शामिल हैं। कांग्रेस ने राष्ट्रपति से उपरोक्त सभी मुद्दों पर उचित कार्यवाही करने और राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश देने की अपील की है।

गुना में बारिश से छज्जा गिरा, महिला की मौत

- हरदा में नदी में बहा युवक; रतलाम-मंदसौर समेत 5 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में इस मानसून सीजन की 95 प्रतिशत यानी एवरेज 35.3 इंच बारिश हो चुकी है। 2 इंच पानी और गिरते ही इस साल सामान्य बारिश का कोटा फुल हो जाएगा। बुधवार सुबह करीब 5 बजे गुना में तेज बारिश के कारण एक मकान का छज्जा गिर गया। मलबे में वेदवती बाई राठौर दब गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुना में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात डेढ़ घंटे में एक इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। रायसेन में हलाली डैम के दो गेट आधे-आधे मीटर तक खोले गए हैं। डैम का कैचमेंट एरिया का लेवल 459.59 मीटर पर फुल हो गया है। दो गेट से 92.74 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। हरदा में अजनाल नदी उफान पर है। इसके पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। बुधवार सुबह बाइक सवार दो युवकों ने इसे पार करने की कोशिश की लेकिन बाइक नदी में जा गिरी और युवक बह गए। इनमें से एक युवक तैरकर बाहर निकल आया। एसडीईआरएफ की टीम दूसरे युवक की सर्चिंग में जुटी है। बुधवार सुबह हलाली डैम का कैचमेंट एरिया फुल होने पर दो गेट खोले गए हैं।

इंदौर-जबलपुर में हल्की बारिश का अनुमान

मौसम विभाग ने अगले 3 दिन तक प्रदेश में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का अनुमान जताया है। बुधवार को रतलाम-मंदसौर समेत 5 जिलों में तेज बारिश हो सकती है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया, लो प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ अभी प्रदेश से दूर है। फिर भी कहीं-कहीं तेज और हल्की बारिश होने का अनुमान है। अगले 24 घंटे में झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, डिंडौरी, सिवनी, बालाघाट जिलों में कहीं-कहीं तेज या भारी बारिश हो सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन समेत अन्य जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रह सकती है।

धार में ढाई इंच बारिश, भोपाल-इंदौर में भी गिरा पानी: मध्यप्रदेश में मंगलवार को मौसम के दो रंग देखने को मिले। भोपाल में कभी तीखी धूप निकली तो कभी बारिश हुई। नर्मदापुरम, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, नौगांव में भी बारिश हुई। सबसे ज्यादा पानी धार में ढाई इंच गिर गया। धार के कुक्षी में बरखेड़ा डैम के सभी 10 गेट खोल दिए गए। बरखेड़ा में 24 घंटे में 6.5 इंच बारिश दर्ज की गई। डैम का लेवल 262.40 मीटर पहुंच गया। पानी की आवक 3300 घन मीटर प्रति सेकेंड होने से डैम के सभी गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है।

वाधवानी पुनः सिन्धी अकादमी के निदेशक बने

भोपाल। मप्र शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत तीन भाषायी अकादमियों में निदेशकों की नियुक्ति कर दी गयी है। ग्वालियर के राजेश वाधवानी को पुनः सिन्धी साहित्य अकादमी का निदेशक मनोनीत किया गया है। गौरतलब है कि पिछली सरकार में भी वे इस पद पर रह चुके हैं। इंदरसिंह खनूजा को पंजाबी अकादमी और सन्तोष गोडबोले को मराठी अकादमी का निदेशक नियुक्त किया गया है।

भोपाल नगर निगम सीवेज कर्मचारियों की चेतावनी

- प्रताड़ित किया तो सफाई बंद कर हड़ताल पर चले जाएंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम के वाहन चालक और सफाई कर्मचारियों ने सीवेज प्रकोष्ठ प्रभारी आरके त्रिवेदी को पत्र लिखकर प्रताड़ित करने पर काम बंद हड़ताल करने की चेतावनी दी है। कर्मचारियों का आरोप है कि त्रिवेदी उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं और दूसरी शाखाओं से आए कर्मचारियों को वापस भेजने की धमकी देते हैं। मध्य प्रदेश शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ की सीवेज विभाग शाखा के अध्यक्ष सुरेश कुमार वर्मा ने अपने इस पत्र में साफ कहा है कि आपके तुगलकी फरमानों से कर्मचारी परेशान हैं। आप कभी वाहन चालक को गाड़ी से उतार देते हैं तो कभी सफाई कर्मचारी को नौकरी से भगा दिया जाता है या उनका ट्रांसफर कर दिया जाता है। यह भी कहा जाता है कि वाहन चालक या कर्मचारी जिस विभाग से संबंधित है, उसमें वापस जाए। वर्मा ने कहा कि सीवेज प्रकोष्ठ में काम कर रहे कर्मचारियों को चैंबर लाइन और नालियों का अनुभव है। यह काम अनुभवहीन कर्मचारी से नहीं कराया जा सकता है। इसलिए जरूरत को समझें और इस तरह प्रताड़ित न करें। उन्होंने कहा कि कर्मचारी को मूल विभाग में भेजने की बात की जाती है, तो बता दें आप का मूल विभाग भी सीवेज प्रकोष्ठ नहीं है। वर्मा ने साफ कहा कि अब कर्मचारी को परेशान न करें। यदि ऐसा जारी रहा तो शहर की तमाम सीवेज लाइनों-नालियों की सफाई बंद कर हड़ताल पर चले जाएंगे।

सोहागपुर में पहली बार अबोध बालिका के साथ बलात्कार व हत्या के आरोपी को मृत्युदंड

हीरालाल गोलानी सोहागपुर।

विद्वान द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश सुरेश कुमार चौबे की अदालत सोहागपुर मध्यप्रदेश ने आरोपी किशन उर्फ चिन्नू माछिया पिता पुरूषोत्तम माछिया, उम्र- 22 वर्ष निवासी-राजा वार्ड शोभापुर, तहसील-सोहागपुर, जिला नर्मदापुरम् को 5 वर्षीय बालिका के साथ बलात्कार एवं हत्या करने के मामले में धारा 302 भादवि में मृत्युदण्ड, धारा 5/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम में मृत्युदण्ड, धारा 377 भादवि में 10 वर्ष का सश्रम कारावास, धारा 450 भादवि में 07 वर्ष का सश्रम कारावास, धारा 201 भादवि में 07 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 5,000/- रूपये अर्थदण्ड दण्डित किया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण

जिला अभियोजन अधिकारी राजकुमार नेमा ने बताया कि दिनांक 25.12.2021 के समय करीब सुबह 8 बजे नाबालिग बच्ची के पिता काम करने चले गये थे।जब शाम को घर आए। तो नाबालिग बच्ची की मां ने बताया कि बच्ची 02 बजे से घर में नहीं है। तभी से घर के सभी लोग उसे ढूंढ रहे । लेकिन उसका कहीं भी पता नहीं चल सका। बाद में बच्ची के पिता अपने साले (बच्ची के मामा) के साथ पुलिस चौकी शोभापुर रिपोर्ट करने गए। चौकी से पुलिस वाले उनके साथ आये। पुलिस वालों ने सबके साथ मिलकर घर के आस-पास ढूंढा। जब पुलिस के साथ सभी लोग छत पर गए। वहां उधर उधर ढूंढा तो नाबालिग बच्ची छत पर रखे पुराने कपड़ों के नीचे ढकी हुई मिली। पुलिस द्वारा संपूर्ण जांच के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया। कि घटना दिनांक, घटना समय को घटना स्थल पर किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा नाबालिग बच्ची के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी है। पुलिस ने इस कृत्य अपराध धारा-302, 376एबी, 377, 450, 201 भादवि एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा-5/6 का

पाया जाने में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान संदेही आरोपी किशन उर्फ चिन्नू माछिया को पुलिस द्वारा अभिरक्षा में लिया गया था। अभिरक्षा में अपराध करना स्वीकार किया तथा बताया कि नाबालिग बच्ची को गला घोंटकर मार दिया गया था घटना में प्रयुक्त एक बनियान का टुकड़ा, जिस पर खून एवं वीर्य के दाग लगे हुए थे।जो घटना स्थल पर एक पेटी में रखना बताया था। उसका डीएनए परीक्षण करने पर आरोपी का डीएनए प्रोफाइल समान पाया गया था, तत्पश्चात् संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। इस मामले में आरोपी किशन उर्फ चिन्नू माछिया पिता परसोत्तम माफिया को मृत्युदंड सुनाया गया है।

मृत्युदंड

पुरूषोत्तम माछिया को 'मृत्युदण्ड' से दंडित किया गया। न्यायालय द्वारा प्रतिक्रिया दी गयी कि 'हर एक निश्चिल, निर्दोष मासूम, अबोध बालिका का बलात्कार स्वयं ही विरलतम से विरलतम घटना है। बलात्कार सहित हत्या का मामला जो किसी भी दृष्टि से सामान्य नहीं माना जा सकता।'

रामचरित मानस की टिप्पणी की न्यायालय ने न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश सुरेशकुमार चौबे ने रामचरित मानस के माध्मय से मर्म बताने के प्रयास किया गया है - अनुज बधू भगिनी सुत नारी। सुनु सठ कन्या सम ए चारी ॥ इन्हहि कुदृष्टि बिलोकइ जोई। ताहि बधें कछु पाप न होई।

भावार्थः(श्री रामजी ने कहा-) हे मूर्ख! सुन, छोटे भाई की स्त्री, बहिन, पुत्र की स्त्री और कन्या- ये चारों समान हैं। इनको जो कोई बुरी दृष्टि से देखता है, उसे मारने में कुछ भी पाप नहीं होता।

विद्वान न्यायाधीश की तल्ख टिप्पणी

विद्वान न्यायाधीश सुरेशकुमार चौबे ने अपने फैसले में कहा है कि न्याय उस गांव, समाज की असंख्य बालिकाएं,उनकी सुरक्षा, भविष्य वितवत्य से प्रभावित होगी। 6 वर्षीय बालिका के साथ काम वासना की पूर्ति हेतु किया गया है। और विरोध करने पर हत्या करना दुर्लभ से भी दुर्लभ अपराध की क्षेणी में आता है।उस मासूम ने दुनिया में कुछ देखा ही नहीं था। आरोपी ने काम वासना से वसीभूत होकर प्रकृति के विरुद्ध योनि अपराध किया है।

पैरवी

अभियोजन की पैरवी बाबूलाल काकोड़िया, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी सोहागपुर एवं शंकरलाल मालवीय अपर लोक अभियोजक ने की थी अभियोजन द्वारा प्रस्तुत लिखित, मौखिक,दस्तावेजी साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होते हुए माननीय न्यायालय ने आरोपी किशन उर्फ चिन्नू माछिया पिता पुरूषोत्तम माछियाको मृत्युदंड से दण्डित किया। उक्त मामले की जानकारी बाबूलाल काकोड़िया एवं शंकरलाल मालवीय ने पत्रकारों को दी। उल्लेखनीय है कि सोहागपुर नगर के 125 साल के न्यायालय इतिहास में पहली बार मृत्युदंड का फैसला सुनाया गया है।

भोपाल के नूतन गर्ल्स स्कूल में तोड़फोड़-नारेबाजी

- 15 छात्राएं बेहोश, अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा; बोलीं-लेट आने पर एचआर मैडम कराती हैं सफाई

भोपाल(नप्र)। भोपाल के सरोजिनी नायडू गर्ल्स स्कूल (नूतन स्कूल) की छात्राओं ने बुधवार को प्रदर्शन किया। स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी और अंदर घुसकर तोड़फोड़ भी की। इस दौरान 15 छात्राएं बेहोश हो गईं। उन्हें कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने अपनी गाड़ी से जेपी अस्पताल भिजवाया। छात्राओं का आरोप है कि लेट आने पर स्कूल की एचआर मैनेजर उनसे सफाई कराती हैं, घास कटवाती हैं। आर्मी में दिए जाने वाले पनिशमेंट यहां के बच्चों को देती हैं। मौके पर शिक्षा विभाग के अधिकारी और कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद भी पहुंच गए। हंगामा बढ़ता देख एचआर मैनेजर वर्षा झा को हटा दिया है।

छात्राएं बोलीं- एक मिनट लेट आने पर देती हैं सजा: प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने कहा, 'एक मैम हैं, जो एक मिनट भी लेट स्कूल पहुंचने पर बाहर खड़ा कर देती हैं। सभी से गंदा सलूक करती हैं। कहती हैं कि हमसे बहस मत करो। सभी छात्राओं को प्रताड़ित करती हैं। कई बार तो पेरेंट्स को भी स्कूल में नहीं आने दिया जाता।

छात्राओं का कहना है कि, स्कूल में लेट आने पर झाड़ू-पोंछा लगवाते हैं। कचरा उठवाते हैं। हमारे हाथ के कड़े रख लेते हैं, वापस भी नहीं करते। इधर-उधर घूमने पर टीसी देने की धमकी देते हैं।

एचआर मैनेजर वर्षा झा आर्मी से रिटायर्ड कैप्टन: वर्षा झा आर्मी से रिटायर्ड कैप्टन हैं। एक महीने पहले ही उन्हें यहां बतौर एचआर एंड एस्टेट मैनेजर अपॉइंट किया गया है। गुस्साई छात्राओं ने कैप्टन वर्षा झा लिखी नेम प्लेट को तोड़कर पैरों से कुचला।

नगर निगम में अफसर ने की सुसाइड की कोशिश

कर्मचारियों ने जहर की डिब्बी छीनी, मुंह पर हाथ रखा; अकाउंटेंट पर इन्क्रीमेंट रोकने का आरोप

रतलाम (नप्र)। रतलाम नगर निगम में कार्यालय अधीक्षक ने बुधवार सुबह सुसाइड करने की कोशिश की। साथी कर्मचारियों ने उनके हाथ से जहर की डिब्बी छीन ली। बचाने के लिए उनके मुंह पर हाथ रख लिया। उन्होंने अकाउंटेंट पर पिछले दो महीने से वेतन वृद्धि नहीं देने का आरोप लगाया। करीब दो घंटे तक हंगामा चलता रहा।

गोपाल झारीवाल रतलाम नगर निगम में बतौर कार्यालय अधीक्षक पदस्थ हैं। इसी कार्यालय में विजय बालोत्रा अकाउंटेंट हैं। झारीवाल ने इन्हीं पर आरोप लगाया है। इससे पहले झारीवाल धरने पर बैठे थे और अकाउंटेंट के खिलाफ नारेबाजी भी कर रहे थे।

धरने पर बैठे, अकाउंटेंट के खिलाफ नारेबाजी की

बुधवार सुबह नगर निगम में सभी कर्मचारी अपने तय समय पर ड्यूटी पर पहुंच रहे थे। बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर कार्यालय अधीक्षक गोपाल झारीवाल के केबिन के सामने ही अकाउंटेंट विजय बालोत्रा का केबिन है। पास ही, निगम कमिश्नर हिमांशु भट्ट का चैंबर है। सुबह करीब 11 बजे झारीवाल अचानक अकाउंट शाखा के बाहर फर्श पर धरने पर बैठ गए। अकाउंटेंट के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कर्मचारियों के प्रति दुर्भावना बताकर सैलरी इन्क्रीमेंट नहीं देने का आरोप लगाया। शोर-शराबा सुनकर कई अधिकारी और कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान झारीवाल ने अपनी जेब से एक डिब्बी निकाली और जहर की गोलियां खाने की कोशिश की। यह देख मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने हाथ से डिब्बी छीन ली। उनके मुंह पर हाथ रख लिया ताकि वे गोलियां न खा पाएं। इसके बाद समझाइश देकर किसी तरह मामला शांत कराया। कार्यालय अधीक्षक सुबह 11 बजे अकाउंटेंट के केबिन के सामने धरने पर बैठे थे।

झारीवाल बोले- 2 महीने से इन्क्रीमेंट का फायदा नहीं मिल रहा था: झारीवाल ने बताया कि, 'राज्य सरकार के आदेश से कर्मचारियों के लिए चौथा वेतनमान लगाया गया था। बिना आदेश के दो महीने से अकाउंटेंट विजय बालौत्रा वेतन वृद्धि का लाभ नहीं दे रहे थे। ऐसा 10-15 कर्मचारियों के साथ किया गया। इस बात को लेकर निगम आयुक्त, स्थापना शाखा प्रभारी और अकाउंटेंट से शिकायत कर चुके हैं।घटना के बाद अफसर हरकत में आए। बताया गया कि अगस्त महीने की सैलरी में इन्क्रीमेंट का फायदा दे दिया गया है।

अकाउंटेंट ने कहा- करेक्शन कर वापस वेतन में जोड़ दिया: अकाउंटेंट विजय बालोत्रा का कहना है कि, 'स्थापना से जो बिल करेक्शन होकर आते हैं, वह आगे बढ़ा देते हैं। हमने करेक्शन कर वापस वेतन में जोड़ दिया है। सैलरी 4 अगस्त को आनी थी।

4 महिला जज को हाईकोर्ट ने किया बहाल

जून 2023 में प्रदेश सरकार ने किया था 6 को बर्खास्त, 2 की सीक्रेट रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपी

जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश में जून 2023 में बर्खास्त की गई 6 महिला न्यायाधीशों में से 4 को कोर्ट बहाल कर दिया है। बाकी दो न्यायाधीशों के मामले को अलग से देखने के बाद आदेश दिया जाएगा। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की रजिस्ट्री ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि प्रोबेशन पीरियड में बर्खास्त की गई छह महिला सिविल जजों में से चार को बहाल कर दिया गया है।

मध्यप्रदेश के विधि और विधायी कार्य विभाग ने हाईकोर्ट की सिफारिश पर 23 मई 2023 को आदेश जारी कर 6 न्यायाधीशों की सेवाएं समाप्त कर दी थीं। यह आदेश हाई कोर्ट की प्रशासनिक समिति और फुल कोर्ट मीटिंग के फैसले के आधार पर दिया गया था।

बर्खास्त जजों के निर्णय संबंधी यह बैठकें मई 2023 में अलग-अलग तिथियों में हुई थीं। परिवीक्षा अवधि के दौरान महिला जजों का परफार्मेंस पुअर पाए जाने पर उनके विरुद्ध यह कार्यवाही करने की सिफारिश की गई थी। देश का गजट नोटिफिकेशन 9 जून 2023 को हुआ था। इस मामले में सर्वोज्ज न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लिया था।

सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार और हाई कोर्ट को नोटिस जारी इस मामले में जवाब मांगा था। जिस पर कि मंगलवार को हाईकोर्ट रजिस्ट्री विभाग ने कोर्ट को बताया कि चार महिला जज को बहाल कर दिया गया है। जबकि दो महिला जजों की बहाली को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का हलफनामा सीलबंद लिफाफे के साथ रिकॉर्ड पर रखा गया है।

चार बहाल, दो की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में

मप्र हाई कोर्ट की ओर से सीनियर एडवोकेट गौरव अग्रवाल ने जवाब प्रस्तुत किया। उन्होंने जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ को बताया कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की फुल बेंच ने 6 अधिकारियों की सेवा समाप्ति पर पुनर्विचार किया। उनमें से 6 में से 4 को बहाल करने पर सहमति व्यक्त की है। शेष दो न्यायिक अधिकारियों को बहाल न करने की टिप्पणियों के संबंध में हाईकोर्ट का हलफनामा सीलबंद लिफाफे के साथ रिकॉर्ड पर रखा गया है। खंडपीठ ने कहा कि उसे अभी इसका अध्ययन करना है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जहां तक 6 महिला न्यायिक अधिकारियों में से 4 का सवाल है, स्वतः संज्ञान और रिट याचिका बंद कर दी जाएगी, लेकिन शेष दो अधिकारियों सरिता चौधरी और अदिति कुमार शर्मा के खिलाफ नहीं, जिन्हें हाईकोर्ट द्वारा बहाल नहीं किया गया।

सभी अधिकारी फोटो निर्वाचक नामावली के कार्य को गंभीरता से लें : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह

भोपाल (नप्र)। मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखवीर सिंह ने बुधवार को सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2025 के अंतर्गत जिलों में चल रही प्री-रिवीजन गतिविधियों के संबंध में चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी फोटो निर्वाचक नामावली के कार्य को गंभीरता से लें। बीएलओ अनिवार्य रूप से मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वे करें और प्रतिदिन की प्रगति की रिपोर्ट दें। मतदाता सूची में किसी भी मृत व्यक्ति का नाम न हो, यह सुनिश्चित करें। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2025 के अंतर्गत प्रारंभिक गतिविधियां बीते माह 20 अगस्त से शुरू हो गई हैं। इस दौरान बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) प्रत्येक घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण कार्य पूरी सतर्कता के साथ किया जाये, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

लंबित प्रकरणों का करें तत्काल निराकरण: श्री सिंह ने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी ऐसे व्यक्ति का नाम न हो, जिसकी मृत्यु हो गई हो। साथ ही फॉर्म 7 के माध्यम से ऐसे मतदाता, जिनका नाम एक से अधिक जगह पर दर्ज है, हटाने की कार्रवाई करें। फॉर्म 8 भरकर मतदाता वोटर आईडी कार्ड में त्रुटियों का संशोधन भी इस दौरान करा सकते हैं। साथ ही लंबित प्रकरणों की तत्काल निराकरण किया जाये।

मतदाता केंद्रों का भौतिक सत्यापन करें: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर मतदान केंद्र का फोटो 'एप' पर अपलोड करें। जर्जर मतदान केंद्र की जगह नए मतदान केंद्र बनाए जाने का प्रस्ताव भेजें। एक परिवार के सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र एवं एक पार्ट पर हो। मतदान केंद्र की दूरी दो किमी से अधिक न हो और एक मतदान केंद्र पर 1500 से अधिक मतदाताओं की संख्या न हो, यह भी सुनिश्चित करें।

सोसायटी, बुहमंजिला कॉलोनी में बना सकते हैं मतदान केंद्र: श्री सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा रिहायशी कॉलोनियों, बड़ी सोसायटियों और बहुमंजिला इमारत (कॉलोनियों) में भी आवश्यकतानुसार मतदान केंद्र बनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि कॉलोनियों के कम्युनिटी हॉल या फिर सोसायटी के ऑफिस को मतदान केंद्र बनाया जा सकता है।

अभियान चलाकर जोड़ें महिला मतदाताओं का नाम

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि जिन जिलों में जेंडर रेश्यो कम है, उन जिलों में महिला मतदाताओं का नाम जोड़ने विशेष अभियान चलाएं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा, ऊषा कार्यकर्ता ग्राम पंचायत सचिव व शासकीय स्कूल में पदस्थ महिला शिक्षकों की भी मदद लें।

1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा नाम जुड़वाने अग्रिम रूप से कर सकते हैं आवेदन: श्री सिंह ने कहा कि जिन युवाओं की उम्र 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे युवा मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही जो युवा 1 अक्टूबर 2024 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, वे भी मतदाता सूची में नाम जुडवाने के लिए अग्रिम रूप से अपना आवेदन कर सकते हैं। नये मतदाता का वोटर कार्ड स्पीड पोस्ट के माध्यम से आसानी से घर पहुंच जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार की सुविधा प्रदान की गई है। ऑनलाइन आवेदन वोटर हेल्पलाइन एप और voters.eci.gov.in के माध्यम से किया जा सकता है। ऑफलाइन के लिए बीएलओ से संपर्क किया जा सकता है। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री बसंत कुर्रे, श्री विवेक श्रोतिय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।